website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 21 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 01 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

पेनकिलर निमोस्लाइड की 100 MG से अधिक खुराक पर सरकार का बैन

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने दर्द और बुखार में इस्तेमाल होने वाली दवा निमोस्लाइड की 100 मिलीग्राम से अधिक खुराक पर रोक लगा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 29 दिसंबर को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। यह फैसला आईसीएमआर और सीडीएससीओ की विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर लिया गया है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि निमोस्लाइड की ज्यादा खुराक से लीवर और किडनी को गंभीर नुकसान हो सकता है, जो कई मामलों में जानलेवा भी साबित हो सकता है। निमोस्लाइड एक NSAID (नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग) है, जिसे 1985 में इटली में पेश किया गया था। हालांकि, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जापान जैसे कई देशों में इसे मंजूरी नहीं मिली है। लंबे समय तक या अधिक मात्रा में इसके इस्तेमाल से लीवर टॉक्सिसिटी, आंतरिक ब्लीडिंग, किडनी डैमेज और त्वचा पर रैश जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सरकार पहले ही जनवरी 2025 में पशु चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाली सभी निमोस्लाइड दवाओं पर प्रतिबंध लगा चुकी है। अध्ययन में पाया गया था कि गायों को दी गई इस दवा के अवशेष खाने से गिद्धों की 24 घंटे के भीतर मौत हो जाती है। भारत में 2011 से बच्चों में निमोस्लाइड के इस्तेमाल पर रोक है। मार्च 2023 में भारतीय फार्माकोपिया कमीशन ने भी इसके गंभीर साइड इफेक्ट्स को लेकर चेतावनी जारी की थी। अब सरकार के इस फैसले को मरीजों की सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

प्रयागराज मेला में बासमती वायरल, मोनालिसा की तरह लोगों की नजरों में आई मासूमियत

नई दिल्ली। महाकुंभ-2025 में वायरल हुई मोनालिसा की याद अब भी लोगों के जहन में ताजा है। मध्य प्रदेश के महेश्वर की रहने वाली साधारण लड़की मोनालिसा, जो अपने परिवार के साथ प्रयागराज महाकुंभ में मालाएं बेचने आई थी, अपनी नीली-भूरी आंखों और सादगी के कारण रातों-रात सोशल मीडिया सेंसेशन बन गई थीं। उनकी वायरल तस्वीरों और वीडियो ने उन्हें फिल्मों तक का रास्ता खोल दिया। अब उसी तरह माघ मेले में एक और लड़की सोशल मीडिया में छा गई है। उसका नाम बासमती बताया जा रहा है। नीम का दातुन बेचने वाली यह लड़की अपनी कजरारे आंखों और मासूमियत की वजह से लोगों का ध्यान खींच रही है। वीडियो वायरल होने के बाद बासमती के चारों ओर कैमरों की भीड़ लग गई है और लोग उनसे दिनभर इंटरव्यू लेने लगे हैं। हालांकि, वायरल होने के कारण उनका काम प्रभावित हुआ है। लोग उनकी मालाएं और दातुन खरीदने के बजाय वीडियो बनाने में जुट गए हैं, जिससे उनकी रोज़मर्रा की बिक्री ठप पड़ गई है। वीडियो में बासमती गले में मोटी-मोटी मालाएं और नाक में तीन नथ पहने दिखाई दे रही हैं। सोशल मीडिया पर बासमती की तुलना मोनालिसा से की जा रही है। कुछ लोग इसे नई मोनालिसा कह रहे हैं तो कुछ ने सपना भी बताया है। वहीं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि किसी का वीडियो बिना अनुमति बनाकर वायरल करना सही है या नहीं। इसके बावजूद, बासमती का वायरल होना उनके भविष्य में नए अवसर भी ला सकता है, ठीक वैसे ही जैसे मोनालिसा को मिला।

दो साल में डूबने से 142 मौतें, तंजावुर के जल निकाय बने जानलेवा

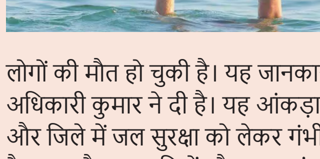

तमिलनाडु। तमिलनाडु के तंजावुर जिले में जल निकायों में डूबने से पिछले दो वर्षों में 142 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी जिला अग्निशमन अधिकारी कुमार ने दी है। यह आंकड़ा बेहद चिंताजनक है और जिले में जल सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। खासतौर पर छुट्टियों और सप्ताहांत के दौरान ऐसी घटनाओं में तेज़ी देखी जा रही है। 15 जून को कल्लानाई बांध से पानी छोड़े जाने के बाद जिले की नदियां, तालाब और कुएं पूरी तरह भर गए हैं। पानी से भरे ये स्थान देखने में आकर्षक लगते हैं, जिससे लोग नहाने और घूमने के लिए यहां पहुंच जाते हैं। कई बार तैरना न जानने वाले लोग भी जोश में आकर पानी में उतर जाते हैं। गहराई और तेज बहाव के कारण वे फंस जाते हैं और हादसे का शिकार हो जाते हैं। जिला प्रशासन ने नदियों में नहाने, कपड़े धोने और मवेशियों को नहलाने पर रोक लगाई है, लेकिन लोग चेतावनियों को नजरअंदाज कर रहे हैं। अग्निशमन विभाग स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चला रहा है और तैराकी को जरूरी जीवन कौशल बताया जा रहा है। बच्चों और युवाओं के लिए तालाब, कुएं और खदानों के गड्ढे सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। कुंभकोणम, पपनासम, तिरुवैयारु सहित कई इलाकों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। प्रशासन का कहना है कि जनता के सहयोग से ही इन हादसों को रोका जा सकता है।

'दोनों का मिडिल ईस्ट में दबदबा...', दो मुस्लिम देश कैसे बने एक-दूसरे के दुश्मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। खाड़ी देशों में लंबे समय से सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) का खास दबदबा रहा है। पूरे मिडिल ईस्ट में इन दोनों सुन्नी मुस्लिम बहुल देशों की गिनती सबसे ताकतवर राष्ट्रों में होती है। एक समय ऐसा था जब सऊदी अरब और यूएई एक-दूसरे के सबसे करीबी और भरोसेमंद साझेदार माने जाते थे, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। यमन को लेकर दोनों देशों के बीच तनातनी इस हद तक बढ़ गई है कि वे खुले तौर पर आमने-सामने आ गए हैं।

क्या है ताजा मामला

यमन की धरती पर सऊदी अरब और यूएई अप्रत्यक्ष रूप से एक-दूसरे के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं। मंगलवार (30 दिसंबर) को सऊदी अरब ने यमन में यूएई से जुड़ी हथियारों की खेप पर हवाई हमला किया। सऊदी सेना ने यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर मुकल्ला पर बमबारी की। हालात इतने बिगड़ गए कि यमन की सऊदी समर्थित सरकार ने यूएई की सेना को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का अल्टीमेटम दे दिया। इसके बाद यूएई ने भी अपनी सेना को वापस बुलाने का फैसला किया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि वह यमन से अपनी बची हुई सैन्य मौजूदगी भी खत्म करेगा।

सऊदी और यूएई की दोस्ती

यूएई के अस्तित्व में आने के बाद से ही सऊदी अरब उसका सबसे बड़ा समर्थक रहा है। दोनों देश सुन्नी मुस्लिम बहुल हैं, राजशाही व्यवस्था से चलते हैं और उनकी अर्थव्यवस्था तेल पर निर्भर है। खाड़ी क्षेत्र में ईरान के बढ़ते प्रभाव को लेकर दोनों की चिंताएं समान थीं, जिससे उनकी दोस्ती और मजबूत होती चली गई। 2010 के दशक की शुरुआत में यह दोस्ती चरम पर थी। सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (MBS) और यूएई के शासक मोहम्मद बिन जायद (MBZ) ने इस्लामी कट्टरवाद और ईरान के खिलाफ मिलकर मोर्चा संभाला। 2011 में दोनों देशों ने इस्लामी आंदोलनों के खिलाफ साझा रणनीति अपनाई, बहरीन में विद्रोह को दबाने के लिए संयुक्त

सेना भेजी और 2013 में मिस्र में मुस्लिम ब्रदरहुड सरकार को हटाने में अहम भूमिका निभाई।

कैसे बिगड़े रिश्ते

30 दिसंबर 2025 को यमन के दक्षिणी बंदरगाह मुकल्ला पर सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने हवाई हमला किया। सऊदी अरब का कहना है कि उन्होंने एक ऐसे डॉक को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल यूएई समर्थित अलगाववादियों को विदेशी सैन्य सहायता पहुंचाने के लिए किया जा रहा था। सऊदी का दावा है कि यह हमला यूएई से जुड़ी हथियारों की खेप पर किया गया। वहीं यूएई ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जिस खेप पर हमला हुआ, उसमें हथियार नहीं थे, बल्कि वह यूएई की सेना के लिए रसद और जरूरी सामान था।

दुश्मनी का असल कारण

असल टकराव की जड़ सिर्फ यमन नहीं, बल्कि दोनों देशों की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं हैं। सऊदी अरब और यूएई अब केवल तेल की अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहते। यूएई ने साल 2008 से 'विजन 2021' के तहत दुबई को एक ग्लोबल हब के रूप में विकसित किया। अब सऊदी अरब का 'विजन 2030' यूएई के लिए सीधी चुनौती बनता जा रहा है। नियोम सिटी, रियाद एयर और जेद्दाह पोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए सऊदी भी खुद को ग्लोबल हब के रूप में स्थापित करना चाहता है। 2021 से सऊदी अरब ने यूएई के फ्री जोन्स से होने वाले इंपोर्ट पर पाबंदियां लगा दीं। इसके अलावा मोहम्मद बिन सलमान और मोहम्मद बिन जायद के बीच खाड़ी देशों का सबसे बड़ा नेता बनने की होड़ भी रिश्तों में खटास की बड़ी वजह मानी जाती है। यमन में यूएई दक्षिणी अलगाववादियों का समर्थन करता है, जबकि सऊदी सरकार समर्थित गुटों के साथ है। सूडान में यूएई आरएसएफ के साथ खड़ा है तो सऊदी एसएएफ के समर्थन में है। लीबिया और मिस्र में भी दोनों देश अलग-अलग गुटों को समर्थन देकर अपनी-अपनी रणनीति आगे बढ़ा रहे हैं।

खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने ढाका पहुंचे जयशंकर

- तारिक रहमान को सौंपी PM मोदी की चिट्ठी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया का आज (31 दिसंबर 2025) ढाका में अंतिम संस्कार किया जा रहा है। इस मौके पर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधि बांग्लादेश पहुंचे हैं। भारत की ओर से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर खालिदा जिया के जनाजे में शामिल होने ढाका पहुंचे। इस दौरान उन्होंने खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी सुप्रीमो तारिक रहमान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भेजा गया शोक पत्र सौंपा। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि ढाका में डॉ. एस. जयशंकर ने बेगम खालिदा जिया के निधन पर भारत सरकार और जनता की तरफ से गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लोकतंत्र के लिए खालिदा जिया के योगदान को भी स्वीकार किया।

हसीना के हटने के बाद जयशंकर का पहला दौरा

शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद यह विदेश मंत्री एस. जयशंकर का पहला बांग्लादेश दौरा है। ऐसे समय में यह यात्रा काफी अहम मानी जा रही है, जब भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव देखा जा रहा है। ढाका पहुंचते ही जयशंकर ने खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान से मुलाकात की।

तारिक रहमान से किया हैंडशेक

जयशंकर भारत की ओर से खालिदा जिया को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। तारिक रहमान से मुलाकात के दौरान उनकी बेटी जायमा रहमान भी मौजूद रहीं। इस दौरान जयशंकर और तारिक रहमान के बीच हाथ मिलाते हुए तस्वीरें सामने आई हैं। यह मुलाकात और हैंडशेक ऐसे वक्त में खास माने जा रहे हैं, जब भारत-बांग्लादेश संबंधों में तल्खी बनी हुई है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान दोनों देशों के रिश्तों में दखल देने की कोशिश कर रहा है और मोहम्मद यूनुस के शासनकाल में भारत-विरोधी गतिविधियां भी खुलकर सामने आई हैं।

बांग्लादेश में फरवरी में होंगे चुनाव

गौरतलब है कि तारिक रहमान 17 साल बाद अपने देश लौटे हैं। फरवरी में होने वाले आम चुनाव में उनकी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) हिस्सा लेगी। तारिक रहमान को प्रधानमंत्री पद के मजबूत दावेदारों में से एक माना जा रहा है। ऐसे में भारत की यह पहल बांग्लादेश के साथ रिश्तों को भविष्य में बेहतर बनाने की एक कूटनीतिक कोशिश के रूप में देखी जा रही है।

आज नहीं होगी स्विगी, जोमैटो, जैप्टो और ब्लिंकइट पर डिलीवरी, कैसे मनेगा नए साल का जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यू ईयर ईव से ठीक पहले आज (31 दिसंबर) गिग वर्कर्स (स्विगी, जोमैटो, अमेजन, फ्लिपकार्ट समेत तमाम डिलीवरी वर्कर्स) ने देशभर में हड़ताल का ऐलान किया है। ऐसे में नए साल की पार्टी के लिए खाना मंगाने से लेकर ऑनलाइन ऑर्डर की डिलीवरी तक लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। उचित वेतन, सुरक्षा व्यवस्था और काम के तय घंटे जैसी कई मांगों को लेकर गिग वर्कर्स आज हड़ताल पर हैं। इंडियन फेडरेशन ऑफ एप बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर (IFAT) के राष्ट्रीय महासचिव शेख सलाउद्दीन ने बताया कि आज देशभर में गिग वर्कर्स सभी ऐप आधारित प्लेटफॉर्म को ऑफ रखेंगे और अलग-अलग प्रमुख जगहों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। गौरतलब है कि ऑनलाइन डिलीवरी करने वाले लोगों को ही गिग वर्कर्स कहा जाता है। उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर को गिग वर्कर्स ने हड़ताल कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कंपनियों को चेतावनी दी थी, लेकिन इसके बाद भी न तो कोई बातचीत हुई और न ही सुरक्षा या काम के घंटों को लेकर कोई नियम तय किए गए। इसी वजह से 31 दिसंबर को फिर से हड़ताल का फैसला लेना पड़ा। उनका कहना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कंपनियां इन अहम मांगों पर पूरी तरह खामोश हैं। गिग वर्कर्स की मांगों को देखते हुए सरकार को तुरंत दखल देना चाहिए।

'इंसेंटिव हासिल करना कठिन हुआ'

शेख सलाउद्दीन ने कहा कि यह केवल विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि गिग वर्कर्स के जीवन और बुनियादी अधिकारों की लड़ाई है। ऑर्डर के बदले मिलने वाला भुगतान घटा दिया गया है। इसके साथ ही दूरी और समय के हिसाब से मिलने वाला मुआवजा भी कम कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इन बदलावों के कारण इंसेंटिव

हासिल करना बेहद मुश्किल हो गया है और नियमों को मनमाने ढंग से बदला गया है। नतीजतन, गिग वर्कर्स को पहले के मुकाबले कम कमाई हो रही है और उतनी ही कमाई के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ रही है।

'गिग वर्कर्स का शोषण किया जा रहा'

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ऑनलाइन एल्गोरिथम के जरिए गिग वर्कर्स का शोषण किया जा रहा है। 10 मिनट की डिलीवरी का मतलब ज्यादा ऑर्डर और लगातार दबाव है। तेज रफ्तार में वाहन चलाने से सड़क हादसों और मानसिक तनाव का खतरा बढ़ जाता है। गिग वर्कर्स मशीन नहीं हैं, लेकिन लंबे समय तक काम करने और इंसेंटिव पाने के दबाव में उन्हें 10-10 घंटे तक लगातार काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

अमित शाह ने संभाली बंगाल की कमान, दिलीप घोष से की सीधी बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अभी कुछ महीने का वक्त बाकी है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बार खास बात यह है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद बंगाल की चुनावी रणनीति की जिम्मेदारी संभाल ली है। वर्ष 2021 में बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे 2 मई को आए थे और इस बार भी अप्रैल में मतदान होने की संभावना जताई जा रही है। इसी सिलसिले में बुधवार को अमित शाह ने कोलकाता में बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक अहम बैठक की। यह बैठक साल्ट लेक स्थित एक होटल में हुई, जिसमें नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। बैठक में दिलीप घोष की मौजूदगी ने सभी का ध्यान खींचा। अमित शाह ने खुद उनसे मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। दिलीप घोष की उपस्थिति इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि हाल के दिनों में उनके बीजेपी से नाराज होने और तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। वह हाल ही में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ भगवान जगन्नाथ मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम में भी नजर आए थे, जिसके बाद सियासी चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब इस बैठक से साफ संकेत मिल रहा है कि बीजेपी उन्हें फिर से सक्रिय भूमिका में लाने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में बंगाल के सभी बीजेपी सांसदों और विधायकों के अलावा नगर निगमों के नेता और संगठन से जुड़े प्रभावशाली लोगों को भी बुलाया गया था। बताया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में संभावित उम्मीदवारों और चुनाव प्रचार की जिम्मेदारियों को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। दिलीप घोष को बंगाल बीजेपी के सबसे सफल प्रदेश अध्यक्षों में गिना जाता है। उनके कार्यकाल में 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को बंगाल से 18 सीटें मिली थीं, जबकि 2014 में यह संख्या सिर्फ 3 थी। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी ने 70 सीटें जीतकर मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाई थी। इस बैठक को बीजेपी की एकजुटता और मजबूत चुनावी रणनीति के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

राजस्थान में बढ़ी ठंड, कई जिलों में शीतलहर के साथ हल्की बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को राजस्थान के मौसम को लेकर अहम अपडेट जारी किया है। विभाग के अनुसार, एक सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से बीकानेर, जयपुर और भरतपुर जिलों के कुछ इलाकों में आज हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इन जिलों में गुरुवार को भी हल्की बारिश के आसार जताए गए हैं। हालांकि 2 जनवरी से पूरे राज्य में मौसम के फिर से शुष्क होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 1 से 3 जनवरी के बीच उत्तरी और पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाने की चेतावनी दी है, जिससे सुबह के समय विजिबिलिटी काफी कम हो सकती है। वहीं 2 से 4 जनवरी तक शेखावाटी क्षेत्र में शीतलहर चलने की संभावना है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज हो सकती है और तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। बुधवार सुबह जैसलमेर में इस सर्दी की पहली बारिश दर्ज की गई। जयपुर, अलवर, दौसा और आसपास के इलाकों में सुबह से हल्के बादल छाए रहे। सीकर, जयपुर, अलवर, दौसा और भरतपुर में कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम रही, जिससे लोगों को परेशानी हुई। पिछले 24 घंटों में पूर्वी और उत्तरी राजस्थान में हल्का कोहरा देखा गया, जबकि ठंडी हवाएं कमजोर पड़ने से तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। मंगलवार को प्रदेश के अधिकतर शहरों में धूप निकली, लेकिन ठंड बरकरार रही और अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

पीएम मोदी की किस बात को सुनकर नाराज हो गए जेलेंस्की, कहा- 'पहले क्यों नहीं बोला...'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने मंगलवार (30 दिसंबर) को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर ड्रोन हमलों की खबरों को लेकर चिंता जताई थी। अब इसी बयान को लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने भारत की आलोचना की है। यूक्रेन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उसने ऐसा कोई हमला नहीं किया। इस बीच जेलेंस्की ने भारत पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत समेत कुछ देश पुतिन के आवास पर हमले की निंदा तो कर रहे हैं, लेकिन यूक्रेन के बच्चों पर हो रहे हमलों को लेकर उन्होंने कभी कुछ नहीं कहा।

भारत को लेकर क्या बोले जेलेंस्की

कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेलेंस्की ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो यह बेहद भ्रमित करने वाला और बुरा है कि भारत, यूएई और कुछ अन्य देशों ने पुतिन के आवास पर हमारे कथित ड्रोन हमलों की निंदा की, जबकि ऐसा कभी हुआ ही नहीं। उन्होंने आगे कहा कि रूस लंबे

समय से हमारे बच्चों पर हमले कर रहा है और लोगों को मार रहा है, लेकिन इस पर किसी ने निंदा नहीं की। जेलेंस्की ने कहा कि ईमानदारी से उन्हें यह बात न भारत से सुनने को मिली और न ही यूएई से।

पीएम मोदी ने जताई थी चिंता

दरअसल, रूस ने 29 दिसंबर को दावा किया था कि यूक्रेन ने 91 ड्रोन से नोवगोरोड क्षेत्र में राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर हमला करने की कोशिश की। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि राष्ट्रपति पुतिन के आवास को निशाना बनाए जाने की खबरों से वह बेहद चिंतित हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि दुश्मनी खत्म करने और शांति हासिल करने के लिए राजनयिक प्रयास ही सबसे बेहतर रास्ता हैं। उन्होंने सभी पक्षों से ऐसे किसी भी कदम से बचने की अपील की थी, जो शांति की कोशिशों को कमजोर कर सकता है।

यूक्रेन के विदेश मंत्री ने क्या कहा

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो सिबिहा ने भी भारत, यूएई और पाकिस्तान के बयानों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कीव इन देशों की प्रतिक्रियाओं से निराश और चिंतित है। सिबिहा ने कहा कि करीब एक दिन बीत जाने के बाद भी रूस ने पुतिन के आवास पर कथित हमले को लेकर कोई विश्वसनीय सबूत पेश नहीं किया है और न ही करेगा, क्योंकि ऐसा कोई सबूत है ही नहीं। उन्होंने दो टूक कहा कि ऐसा कोई हमला हुआ ही नहीं।

भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदारी क्या चीन संतुलन की मजबूरी है या केवल कूटनीतिक दिखावा भर आज नई सुरक्षा रणनीति में

-नई अमेरिकी सुरक्षा नीति में भारत की भूमिका अवसर भी और सावधानी की चेतावनी भी

चीन और यूरोप के साथ रिश्तों में बढ़ती तनातनी के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी–NSS) का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। यह दस्तावेज़ अपने आकार में भले ही केवल लगभग 20 पन्नों का हो, लेकिन इसके संकेत दूरगामी हैं। खास बात यह है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगभग एक साल के कार्यकाल के अंतिम चरण में आए इस ड्राफ्ट में भारत को असाधारण महत्व दिया गया है। सवाल यह है कि क्या यह महत्व वास्तविक रणनीतिक साझेदारी की ओर इशारा करता है, या फिर यह केवल चीन को संतुलित करने के लिए एक कूटनीतिक दिखावा भर है? यह ड्राफ्ट ऐसे समय आया है जब अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर दबाव महसूस कर रहा है। यूरोप के साथ वैचारिक और सांस्कृतिक मतभेद खुलकर सामने हैं, चीन के साथ तकनीक, व्यापार और सामरिक प्रभुत्व को लेकर सीधी प्रतिस्पर्धा है, और रूस के साथ रिश्तों में एक अजीब-सी नरमी दिखाई दे रही है। ऐसे जटिल वैश्विक परिदृश्य में भारत का नाम अमेरिकी सुरक्षा रणनीति में प्रमुखता से उभरना अपने आप में कई सवाल खड़े करता है।

नई सुरक्षा रणनीति का स्वरूप और मंशा

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति एक ऐसा दस्तावेज़ है जिसे समय-समय पर कार्यकारी शाखा द्वारा तैयार किया जाता है। इसका उद्देश्य देश के सामने मौजूद सुरक्षा चुनौतियों की पहचान करना और उनसे निपटने के लिए नीतिगत दिशा तय करना होता है। गोल्डवॉटर-निकोल्स अधिनियम के तहत तैयार यह रणनीति राष्ट्रीय सैन्य रणनीति जैसे सहायक दस्तावेज़ों के माध्यम से लागू की जाती है। 2025 की इस रणनीति का केंद्रीय विचार 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी 'मागा' के नारे से गहराई से जुड़ा हुआ है।

इसमें अमेरिकी पहचान, संस्कृति और संप्रभुता को सर्वोपरि रखने पर जोर दिया गया है। दस्तावेज़ बार-बार इस बात को रेखांकित करता है कि अमेरिका एक स्वतंत्र और संप्रभु गणराज्य है, जिसका पहला दायित्व अपने नागरिकों के अधिकारों और हितों की रक्षा करना है। मजबूत सीमाएं, सख्त आव्रजन नीति और अवैध जनसंख्या प्रवाह को रोकने के लिए देशों के बीच सहयोग—ये सभी बातें इस रणनीति का हिस्सा हैं।

चीन: सबसे बड़ा खतरा

नई सुरक्षा रणनीति में चीन को अमेरिका के लिए सबसे बड़ा दीर्घकालिक खतरा बताया गया है। तकनीक, सैन्य क्षमता और आर्थिक शक्ति—तीनों मोर्चों पर चीन की तेज़ बढ़त ने वाशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन का बढ़ता प्रभाव अमेरिकी रणनीतिकारों को बेचैन कर रहा है। यही कारण है कि इस क्षेत्र को अमेरिकी सुरक्षा रणनीति का केंद्र बिंदु बनाया गया है। इंडो-पैसिफिक आज दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी और लगभग आधी वैश्विक जीडीपी का केंद्र है। यहां होने वाली भू-राजनीतिक हलचलें सीधे वैश्विक शक्ति-संतुलन को प्रभावित करती हैं। चीन अपने सैन्य ठिकानों, समुद्री दावों और आर्थिक निवेशों के जरिए इस क्षेत्र की व्यवस्था को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में अमेरिका के लिए किसी एक देश पर भरोसा करना जरूरी हो गया है जो न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था में बड़ा हो, बल्कि सामरिक रूप से भी चीन को संतुलित कर सके।

भारत को प्राथमिकता क्यों?

इसी संदर्भ में भारत अमेरिका को एक स्वाभाविक साझेदार के रूप में दिखाई देता है। नई सुरक्षा रणनीति में भारत के साथ वाणिज्यिक, रणनीतिक और अन्य द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की बात कही गई है। दस्तावेज़ के अनुसार, भारत के साथ सहयोग से न केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी, बल्कि क्वाड जैसे मंचों में भारत की भूमिका को भी और सक्रिय किया जा सकेगा। क्वाड—जिसमें अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं—को चीन के प्रभाव को संतुलित करने का एक अहम मंच माना जाता है। अमेरिका चाहता है कि भारत इस समूह में केवल नाम का नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक किरदार निभाए। तकनीक के क्षेत्र में भी भारत को महत्वपूर्ण साझेदार माना गया है। अमेरिकी रणनीति के अनुसार, उन्नत तकनीकों में भारत के साथ सहयोग क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन के लिए बेहद जरूरी है।

पाकिस्तान का गायब होना और रूस का संदर्भ

इस ड्राफ्ट की एक दिलचस्प और चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें पाकिस्तान का नाम लगभग गायब है। दशकों तक अमेरिकी सुरक्षा रणनीति में पाकिस्तान एक अहम किरदार रहा है—कभी सहयोगी के रूप में, तो कभी समस्या के रूप में। लेकिन नई रणनीति में उसका उल्लेख न के बराबर है। यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, खासतौर पर वहां की सैन्य नेतृत्व के लिए। इसके उलट, रूस के साथ अमेरिका के कदम-ताल करते हुए दिखाई देने के संकेत मिलते हैं। यह बदलाव भी कई सवाल खड़े करता है, खासकर भारत के संदर्भ में, क्योंकि भारत और रूस के बीच पारंपरिक मित्रता रही है। ऐसे में अमेरिका का रूस के प्रति नरम रुख और भारत को साथ लेने की कोशिश—दोनों को एक साथ पढ़ना जरूरी हो जाता है।

ट्रंप की विदेश नीति: निरंतरता या भ्रम?

2017 में पहली बार व्हाइट हाउस पहुंचने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्ववर्तियों से अलग विदेश नीति दृष्टिकोण अपनाया था। 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने बहुपक्षीय संस्थानों और पारंपरिक सहयोगियों के साथ अमेरिका के रिश्तों को झकझोर दिया। 2025 की सुरक्षा रणनीति में ट्रंप प्रशासन इस सोच को और आगे बढ़ाता दिखता है। यूरोप के प्रति दस्तावेज़ में जिस तरह की खीज और असंतोष झलकता है, वह बताता है कि अमेरिका अब पुराने सहयोगियों को उतनी प्राथमिकता नहीं देना चाहता। इसके मुकाबले भारत को 'जरूरत के साथी' के रूप में पेश किया गया है। लेकिन क्या यह भरोसेमंद साझेदारी का संकेत है, या फिर केवल परिस्थितिजन्य मजबूरी?

निश्चितता और अनिश्चितता का मेल

यह सुरक्षा रणनीति कुछ निश्चित और कुछ अनिश्चित तत्वों का मिश्रण प्रतीत होती है। अनिश्चितता ट्रंप की राजनीति की एक स्वभावगत विशेषता रही है। उनके दूसरे कार्यकाल के पहले दिन से ही यह साफ हो गया था कि नीतिगत फैसलों में अप्रत्याशित मोड़ आते रहेंगे। ग्यारह महीनों की राजनीतिक यात्रा में भी इस प्रवृत्ति में कोई खास बदलाव नहीं दिखा। हालांकि, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार मानना इस दस्तावेज़ में एक तरह की निश्चितता जरूर दिखाता है। चीन को सबसे बड़ा खतरा मानते हुए भारत-अमेरिका सहयोग को प्रमुख क्षेत्र के रूप में चिन्हित करना एक स्पष्ट संकेत है।

समुद्री सुरक्षा और नियम-आधारित व्यवस्था

समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता को लेकर भारत और अमेरिका का दृष्टिकोण काफी हद तक समान है। दोनों देश एक मुक्त, खुले और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की वकालत करते हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन के बढ़ते नौसैनिक प्रभाव और उसके आक्रामक समुद्री दावों के बीच भारत-अमेरिका सहयोग को अमेरिका इस क्षेत्र में संतुलन बनाने का एक जरिया मानता है। यह सहयोग सैन्य अभ्यासों, खुफिया जानकारी साझा करने और तकनीकी साझेदारी के रूप में सामने आ सकता है।

लेन-देन वाला रिश्ता?

इसके बावजूद, सुरक्षा रणनीति की शब्दावली एक और सच्चाई की ओर भी इशारा करती है। ऐसा लगता है कि ट्रंप प्रशासन भारत को एक आदर्शवादी रणनीतिक सहयोगी के बजाय एक लेन-देन वाले राष्ट्र के रूप में देखने लगा है। यानी सहयोग वहीं तक सीमित रहेगा, जहां तक अमेरिकी हित सीधे तौर पर पूरे होते दिखें। दस्तावेज़ में सुंदर शब्दों और ऊंचे आदर्शों की कोई कमी नहीं है। भारत की भूमिका, साझा मूल्यों और सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया गया है। लेकिन क्या यह सब व्यवहारिक स्तर पर भी उतरेगा, या फिर यह केवल कूटनीतिक भाषा तक सीमित रहेगा—यह सवाल अब भी बना हुआ है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

चीन का 'नियम 50': आत्मनिर्भर भारत के लिए सीख

अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच चीन ने अपनी सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को मजबूत करने के लिए एक अहम और दूरगामी कदम उठाया है, जिसे 'नियम 50' के नाम से देखा जा रहा है। इस नियम के तहत चीन में नई या पुरानी चिप फैक्ट्रियों के विस्तार के लिए कम से कम 50 प्रतिशत उपकरण चीन में ही बने होने चाहिए। यह नियम सभी चिप कंपनियों पर लागू होगा और इसका सीधा मकसद विदेशी तकनीक पर निर्भरता घटाकर घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना है। चीन चाहता है कि चिप निर्माण से जुड़ा पूरा इकोसिस्टम देश के भीतर ही तैयार हो, ताकि भविष्य में किसी भी तरह के अंतरराष्ट्रीय दबाव या प्रतिबंधों का असर उसकी अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षमता पर न पड़े। दरअसल, अमेरिका ने वर्ष 2023 में चीन के खिलाफ एक्सपोर्ट नियमों को और सख्त कर दिया था। अमेरिका ने एडवांस्ड एआई चिप्स और चिप निर्माण में इस्तेमाल होने वाली अत्याधुनिक मशीनों की चीन को बिक्री पर रोक लगा दी। इसके जवाब में चीन ने अपनी रणनीति और तेज कर दी। 'नियम 50' उसी रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत अब चीनी कंपनियां अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोप के उपकरणों की बजाय अपने देश के सप्लायर्स को प्राथमिकता दे रही हैं, भले ही विदेशी विकल्प तकनीकी रूप से ज्यादा उन्नत क्यों न हों। इससे चीनी कंपनियों को घरेलू बाजार में बड़ा फायदा मिल रहा है और स्थानीय उद्योगों को मजबूत आधार मिल रहा है। इस नियम का असर अमेरिकी कंपनियों पर भी पड़ सकता है। चीन पहले ही नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन, एल3 हैरिस मैरीटाइम सर्विसेज और बोइंग जैसी बड़ी अमेरिकी रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंध लगा चुका है। ऐसे में सेमीकंडक्टर और उससे जुड़े उपकरणों के क्षेत्र में भी अमेरिकी कंपनियों की हिस्सेदारी कम होने की संभावना है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग बार-बार यह दोहराते रहे हैं कि चिप निर्माण के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 'पूरे देश' को मिलकर प्रयास करना होगा। सरकार, उद्योग और रिसर्च संस्थानों के साझा प्रयास से ही यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। चीन के इस कदम से भारत को भी अहम सबक लेने की जरूरत है। भारत वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। सेमीकंडक्टर जैसे रणनीतिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता इस लक्ष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। फिलहाल भारत चिप निर्माण के लिए जरूरी मशीनें, केमिकल, वेफर्स और अन्य सामग्री ताइवान, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से आयात करता है। हालांकि, भारत सरकार 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत घरेलू क्षमता बढ़ाने की दिशा में लगातार काम कर रही है, लेकिन अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। भारत अगर चीन की तरह घरेलू उपकरणों और तकनीक को प्राथमिकता देने वाले नियमों पर गंभीरता से विचार करे, तो इससे देश के उद्योगों को बड़ा सहारा मिल सकता है। आत्मनिर्भरता का मतलब पूरी तरह से दुनिया से कट जाना नहीं है, बल्कि अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए मजबूत घरेलू आधार तैयार करना है।

सतत विकास की चुनौती : अरावली संरक्षण, सुप्रीम कोर्ट की भूमिका और पर्यावरण बनाम अनियोजित विकास की निर्णायक बहस

-विशेषज्ञ समिति, न्यायिक हस्तक्षेप और भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रकृति बचाने की अनिवार्य जरूरत

आज जब पूरी दुनिया विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन खोजने की जद्दोजहद में लगी है, भारत के सामने यह चुनौती और भी गंभीर रूप में मौजूद है। एक ओर तेज़ी से बढ़ती आबादी, शहरीकरण, उद्योग और बुनियादी ढांचे की ज़रूरतें हैं, तो दूसरी ओर प्रकृति की सीमाएं, प्राकृतिक संसाधनों की क्षरणशील स्थिति और जलवायु परिवर्तन का बढ़ता ख़तरा। ऐसे में "सतत विकास" केवल एक नारा नहीं, बल्कि समय की सबसे बड़ी ज़रूरत बन चुका है। अरावली पर्वतमाला से जुड़ा मौजूदा विवाद इसी व्यापक बहस का एक अहम हिस्सा है, जो यह सवाल उठाता है कि क्या हम विकास की दौड़ में अपनी जीवन-रेखा को ही नष्ट करने पर तुले हैं? अरावली पहाड़ियों की जिस परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हुआ, उस पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा विशेषज्ञ समिति के गठन का आदेश देना एक स्वागत योग्य और दूरदर्शी कदम है। यह आदेश इस बात का संकेत है कि पहले पेश की गई रिपोर्ट को लेकर आम लोगों, पर्यावरणविदों और सामाजिक संगठनों द्वारा जो आशंकाएं जताई जा रही थीं, वे निराधार नहीं थीं। केवल प्रशासनिक या तकनीकी दलीलों के आधार पर किसी संवेदनशील पारिस्थितिकी क्षेत्र की सीमाएं तय कर देना गंभीर परिणाम ला सकता है। अरावली को महज़ पहाड़ियों की एक भौगोलिक श्रृंखला मानना एक बड़ी भूल होगी, क्योंकि यह उत्तर भारत के उपजाऊ मैदानों को मरुस्थलीकरण से बचाने वाली एक प्राकृतिक ढाल है। अरावली पर्वतमाला का महत्व केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी है। यह पर्वतमाला राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात तक फैली हुई है और भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन, जैव विविधता संरक्षण और तापमान संतुलन में अहम भूमिका निभाती है। अरावली की हरियाली दिल्ली-एनसीआर जैसे महानगरों के लिए एक प्राकृतिक फेफड़े की तरह काम करती है। यदि इसे कमजोर किया गया, तो उसका असर केवल स्थानीय नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत पर पड़ेगा।

इसके बावजूद, पिछले कुछ दशकों में अरावली क्षेत्र में अवैध खनन, अनियोजित निर्माण और बड़े पैमाने पर वनों की कटाई ने इस बहुमूल्य धरोहर को गहरी चोट पहुंचाई है। सरकारी समिति की सिफारिशों के आधार पर तय की गई परिभाषा से यह आशंका पैदा हो गई थी कि अरावली का बड़ा हिस्सा संरक्षण के दायरे से बाहर हो सकता है। इसका सीधा अर्थ यह होता कि खनन, रियल एस्टेट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को खुली छूट मिल जाती। केवल यह कह देना कि रिपोर्ट को "गलत समझा" जा रहा है, आम लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं था। जब किसी नीति का सीधा असर पर्यावरण और लोगों के जीवन पर पड़ता हो, तो उसमें पारदर्शिता, स्पष्टता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनिवार्य हो जाता है। आज देश जिस तरह की पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, वे किसी एक फैसले या एक साल की देन नहीं हैं। यह दशकों की लापरवाही, अदूरदर्शी नीतियों और तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता देने का नतीजा है। वर्ष 2025 में देश के पहाड़ी राज्यों में आई विनाशकारी प्राकृतिक आपदाएं, भूस्खलन, बादल फटना और बाढ़ जैसी घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ कितनी महंगी पड़ सकती है। वहीं दिल्ली-एनसीआर और मुंबई जैसे महानगरों में लगातार जहरीली होती हवा यह साफ संदेश देती है कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की बात नहीं, बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुका है।

इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली मामले में स्वतः संज्ञान लेना बेहद महत्वपूर्ण है। यह दर्शाता है कि न्यायपालिका ने जनहित और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी चिंताओं को गंभीरता से समझा है। जानकारी के अनुसार, अब विशेषज्ञों की समिति अलग-अलग समय की जानकारियों का अध्ययन करेगी। इसमें पुराने नक्शों, ऐतिहासिक दस्तावेज़ों, हवाई तस्वीरों और सैटेलाइट इमेजरी की तुलना की जाएगी। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि पिछले कुछ दशकों में अरावली क्षेत्र में क्या-क्या बदलाव हुए हैं और किन मानवीय गतिविधियों ने इसे सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है।

यह विवाद केवल 100 मीटर की ऊंचाई तय करने तक सीमित नहीं है। असल मुद्दा यह है कि पर्यावरण को टुकड़ों में नहीं समझा जा सकता। किसी पहाड़ी को उसके आसपास के जंगलों, जल स्रोतों, मिट्टी की गुणवत्ता और वहां रहने वाले जीव-जंतुओं से अलग करके देखना वैज्ञानिक दृष्टि से भी गलत है। पारिस्थितिकी एक समग्र तंत्र है, जिसमें एक छोटे से बदलाव का असर दूरगामी हो सकता है। अरावली को लेकर आम लोगों की तीखी प्रतिक्रिया इसलिए सामने आई, क्योंकि अब वहां पर्यावरणीय क्षरण के दुष्परिणाम साफ दिखाई देने लगे हैं और उसका सीधा असर लोगों के जीवन, स्वास्थ्य और आजीविका पर पड़ रहा है। अरावली का मामला अकेला नहीं है। उत्तराखंड में हजारों एकड़ वन भूमि पर अवैध कब्जों का मुद्दा भी सर्वोच्च न्यायालय के सामने विचाराधीन है। यहां भी कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा है कि राज्य सरकार वन भूमि की रक्षा करने में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रही है। कोर्ट के समक्ष आए तथ्यों के अनुसार, हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र पर अवैध निर्माण और कब्जे हो चुके हैं, जो पर्यावरण, जैव विविधता और हिमालयी पारिस्थितिकी के लिए गंभीर खतरा हैं। अदालत ने अतिक्रमण हटाने, नई गतिविधियों पर रोक लगाने और विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। यह घटनाक्रम इस बात को रेखांकित करता है कि पर्यावरण संरक्षण के मामले में न्यायपालिका को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, क्योंकि शासन और प्रशासन अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी गंभीरता से नहीं कर पा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अरावली से जुड़े मामलों में स्वतः संज्ञान लेना यह साफ संकेत देता है कि इस विषय में गहन तथ्यान्वेषण और दीर्घकालिक सोच की आवश्यकता है।

सशक्त कदम: कम हुई कर दरों का लाभ आम जनता तक पहुंचाने पर भी नजर

-नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म: दरों और स्लैब में कमी

भारत की अर्थव्यवस्था में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को एक क्रांतिकारी सुधार के रूप में देखा जाता है। जब वर्ष 2017 में इसे लागू किया गया था, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में इसे "भारत की आर्थिक आज़ादी का दिन" बताया था। वास्तव में, यह केवल कर सुधार नहीं था बल्कि पूरे देश की एकता और अखंडता का प्रतीक भी था, क्योंकि पहली बार 'एक राष्ट्र, एक कर' की परिकल्पना धरातल पर उतरी थी। यद्यपि इससे पहले भी यूपीए सरकार ने कई बार जीएसटी लागू करने का प्रयास किया था, लेकिन राजनीतिक सहमति और राज्यों की आपत्तियों के कारण वह सफल नहीं हो सकी। मोदी सरकार ने राज्यों को विश्वास दिलाया कि यदि उन्हें राजस्व में किसी भी प्रकार की कमी होती है तो केंद्र सरकार उसे प्रत्येक वर्ष 14% की वृद्धि के आधार पर क्षतिपूर्ति करेगी। इसी विश्वास और समझौते के बल पर केंद्र और राज्यों ने अपने-अपने लगभग 16 प्रकार के करों को समाहित कर दिया और जीएसटी का जन्म हुआ।

जीएसटी: एक ऐतिहासिक उपलब्धि

जीएसटी की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने भारत में फैले विविध कर ढांचे को एकीकृत किया। पहले अलग-अलग राज्यों में वैट, एंट्री टैक्स, एक्साइज, सर्विस टैक्स, ऑक्ट्राय आदि कई कर लागू होते थे, जिससे व्यापारियों, उद्योगों और आम जनता को दोहरी-तीहरी कर अदायगी करनी पड़ती थी।

जीएसटी आने के बाद— टैक्सेशन सिस्टम में एकरूपता आई। व्यवसायों को "वन नेशन, वन मार्केट" की सुविधा मिली। कर चोरी रोकने के लिए ई-वे बिल, ई-इनवॉइसिंग और डिजिटलीकरण को बढ़ावा मिला। आम जनता को उत्पादों और सेवाओं पर दोहरे कर भार से मुक्ति मिली।

केंद्र और राज्यों का राजस्व संतुलन

जीएसटी प्रणाली में केंद्र और राज्य दोनों को बराबरी का हिस्सा सुनिश्चित किया गया। सीजीएसटी (Central GST) और एसजीएसटी (State GST) में कर की राशि 50-50 बंटती है। आईजीएसटी (Integrated GST) जो अंतरराज्यीय व्यापार से आता है, उसका लगभग 41% हिस्सा राज्यों को दिया जाता है। इस व्यवस्था ने राज्यों और केंद्र के बीच विश्वास कायम किया। साथ ही जीएसटी काउंसिल, जिसमें सभी राज्यों के वित्त मंत्री और केंद्र के वित्त मंत्री शामिल होते हैं, को एक संघीय निर्णय लेने वाली संस्था के रूप में स्थापित किया गया।

जीएसटी की सफलता की झलक

पिछले कुछ वर्षों में जीएसटी ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं— राजस्व में निरंतर वृद्धि: आज हर माह औसतन 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर संग्रह हो रहा है। कर दरों में कमी: सरकार समय-समय पर कर दरें घटाती रही है, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिली। डिजिटल क्रांति: जीएसटी के चलते टैक्स कलेक्शन और पेमेंट पूरी तरह ऑनलाइन हो गए। इससे पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ी। व्यापार में सुगमता (Ease of Doing Business): अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की रैंकिंग बेहतर हुई।

नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म: एक बड़ा बदलाव

अब सरकार ने नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म लाकर एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। पहले जीएसटी में चार मुख्य स्लैब (5%, 12%, 18%, 28%) थे। कई उत्पादों को अलग-अलग दरों में रखने से जटिलता बनी रहती थी। अब सरकार ने इसे सिर्फ दो स्लैब तक सीमित कर दिया है। इससे न केवल कर प्रणाली सरल होगी बल्कि— आम जनता को राहत मिलेगी। उद्योग जगत को स्थिरता और स्पष्टता मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।

आम जनता पर प्रभाव

कम हुई कर दरों का सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा। खाद्य वस्तुओं, दवाइयों, दैनिक उपभोग की चीजों पर कर भार घटेगा। सस्ता घर, सस्ती गाड़ी, सस्ता बीमा जैसी चीजें अब आम नागरिक की पहुंच में होंगी। सेवाओं पर दरें घटने से शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन क्षेत्र भी सुलभ होंगे। इस प्रकार जीएसटी रिफॉर्म केवल उद्योग जगत के लिए नहीं बल्कि सामान्य परिवारों के बजट को भी राहत देने वाला है।

राज्यों की चिंता और समाधान

यद्यपि राज्यों को शुरू में यह चिंता थी कि कर संग्रहण में कमी आएगी, परंतु जीएसटी लागू होने के बाद— राजस्व में निरंतर वृद्धि हुई। केंद्र ने क्षतिपूर्ति का वादा निभाया। राज्यों को अब भी आईजीएसटी का बड़ा हिस्सा मिल रहा है। इसके अलावा, जीएसटी काउंसिल हर निर्णय सर्वसम्मति या बहुमत से लेती है, जिससे राज्यों की भागीदारी बनी रहती है।

चुनौतियाँ

जहाँ जीएसटी ने कई सफलताएँ हासिल कीं, वहीं कुछ चुनौतियाँ भी सामने आईं— तकनीकी समस्याएँ: छोटे व्यापारियों को जीएसटी पोर्टल पर दिक्कतें आईं। कंप्लायंस का बोझ: नियमित रिटर्न भरने और ई-इनवॉइसिंग के कारण छोटे व्यवसाय दबाव महसूस करते हैं। दर निर्धारण की जटिलता: कई बार यह विवाद हुआ कि किस वस्तु को किस स्लैब में रखा जाए। ईंधन और शराब: अभी भी पेट्रोल-डीजल और शराब जीएसटी से बाहर हैं, जिससे "एक राष्ट्र एक कर" की अवधारणा अधूरी लगती है।

सुधार की दिशा

भविष्य में जीएसटी को और प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित कदम जरूरी हैं— पेट्रोलियम और शराब को भी जीएसटी में लाना। छोटे व्यवसायों के लिए सरल कंप्लायंस प्रक्रिया बनाना। टैक्स चोरी रोकने के लिए टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल। उपभोक्ताओं तक कर दरों की कमी का सीधा लाभ पहुँचाना।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

दुनिया के कई देशों ने जीएसटी/वैट जैसी व्यवस्था अपनाई है। उदाहरण के लिए— ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड में जीएसटी काफी सफल रहा। भारत में यह एक जटिल लेकिन बड़े स्तर पर लागू हुआ प्रयोग है। वैश्विक निवेशक भारत की इस सफलता को एक पॉज़िटिव सिग्नल मानते हैं।

अर्थव्यवस्था को नई गति

जीएसटी सुधारों के कारण— व्यापार में सुगमता बढ़ी है। निवेश के अवसर बढ़े हैं।

केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों की आय में हो रही उल्लेखनीय वृद्धि- मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के किसान केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर नवाचार को अपना रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में निरंतर वृद्धि हो रही है और किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। यह बात मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य कृषि अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), दुर्गापुरा, जयपुर के भ्रमण के दौरान कही। मुख्य सचिव ने रारी कैंपस, कृषि फील्ड एवं श्याम दुर्गापुरा का दौरा कर कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक और व्यापक परिवर्तनों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज का किसान आधुनिक तकनीकों को तेजी से अपना रहा है, जिससे राज्य सरकार की कृषि नीतियां धरातल पर सफल साबित हो रही हैं। श्रीगंगानगर में स्थापित गाजर मंडी को उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक सफल प्रयोग बताया। श्याम ऑडिटोरियम में आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्य सचिव ने प्रदेशभर से आए प्रगतिशील कृषकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने किसानों की सफलता की कहानियों, कृषि नवाचारों और जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की तथा समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 में भागीदारी का आह्वान

मुख्य सचिव ने किसानों से आगामी वर्ष आयोजित होने वाली ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 (ग्राम) में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय इस राज्य स्तरीय आयोजन में 50 हजार से अधिक किसानों के भाग लेने की संभावना है। ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) का उद्देश्य कृषि में नवाचार, स्मार्ट फार्मिंग, आधुनिक तकनीकों के प्रसार और निवेश को प्रोत्साहित करना है, जिससे राजस्थान कृषि निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बन सके।

किसानों के विदेश भ्रमण पर जोर

मुख्य सचिव ने किसानों की क्षमता संवर्धन के लिए विदेश भ्रमण को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राज्य सरकार के नॉलेज एन्हांसमेंट प्रोग्राम के तहत किसानों का एक दल पहले ही विदेश भ्रमण कर चुका है। शीघ्र ही दूसरा दल भी उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने के लिए विदेश भेजा जाएगा, जिससे किसान अपनी उपज और उत्पादकता बढ़ा सकें। उन्होंने प्रगतिशील किसानों से सरसों, जैविक खेती, जीरा, पानमेथी, ईसबगोल, अनार, सीताफल, आंवला, लहसुन, गाजर, शिमला मिर्च, गुलाब, औषधीय पौधों और मधुमक्खी पालन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी ली।

कृषि अनुसंधान को किसान-केंद्रित बनाने पर बल

आरएआरआई के भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने खरीफ व रबी फसलों से जुड़े अनुसंधान परीक्षणों, प्रदर्शन इकाइयों, बीज उत्पादन प्रक्षेत्रों और प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। वैज्ञानिकों ने उन्हें जलवायु परिवर्तन के अनुरूप विकसित किस्मों, उन्नत फसल प्रबंधन, समेकित कीट प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य सुधार और जल उपयोग दक्षता बढ़ाने वाली तकनीकों की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि कृषि अनुसंधान को अधिक व्यवहारिक, किसान-केंद्रित और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाए। साथ ही अनुसंधान परिणामों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाने के लिए कृषि विभाग, अनुसंधान संस्थानों और विस्तार तंत्र के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों और खेत स्तर पर प्रदर्शनों को और सशक्त करने तथा गुणवत्तापूर्ण बीजों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल, आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी श्रीमती शुभम चौधरी, कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलगुरु डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान, निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेश कुमार चौहान सहित कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारी, रारी के वैज्ञानिक और प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

सैलानियों के लिए प्रमुख आकर्षण बने नाहरगढ़ जैविक उद्यान की टाइगर एवं लायन सफारी

- एक वर्ष में 3.73 लाख से अधिक पर्यटकों ने किया वन्यजीवों का दीदार

- 2 करोड़ 36 लाख से अधिक का राजस्व अर्जन की उपलब्धि भी की हासिल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में स्थित नाहरगढ़ जैविक उद्यान पर्यटन के मानचित्र पर तेजी से उभरते हुए राज्य के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। जयपुर भ्रमण पर आने वाले देशी-विदेशी सैलानियों के लिए नाहरगढ़ जैविक उद्यान के साथ-साथ यहां संचालित टाइगर एवं लायन सफारी विशेष आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। प्राकृतिक हरियाली के बीच वन्यजीवों को उनके स्वाभाविक परिवेश में देखने का अनुभव पर्यटकों को रोमांच और आनंद से भर देता है। सहायक वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 की अवधि में नाहरगढ़ जैविक उद्यान एवं सफारियों के माध्यम से कुल 3 लाख 73 हजार 869 देशी-विदेशी पर्यटकों ने वन्यजीवों का दीदार किया। इस दौरान विभाग द्वारा 2 करोड़ 36 लाख 3 हजार 620 रुपये का उल्लेखनीय राजस्व अर्जित किया गया, जो उद्यान की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि उक्त अवधि में नाहरगढ़ जैविक उद्यान में 3 लाख 39 हजार 433 पर्यटक पहुंचे, जबकि 18 हजार 831 पर्यटकों ने लायन सफारी एवं 15 हजार 605 पर्यटकों ने टाइगर सफारी का आनंद लिया। दोनों ही सफारियां पर्यटन सीजन के दौरान जयपुरवासियों सहित बाहर से आने वाले सैलानियों के लिए प्रमुख आकर्षण बनी हुई हैं।

शहर के समीप स्थित यह जैविक उद्यान प्राकृतिक सौंदर्य, हरियाली और वन्यजीवों का अद्त संगम प्रस्तुत करता है। यहां परिवार के साथ भ्रमण करने वाले पर्यटकों को न केवल मनोरंजन बल्कि वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता का भी संदेश मिलता है। उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में नाहरगढ़ जैविक उद्यान में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सहायक वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़ एवं रेंज अधिकारी शुभम शर्मा द्वारा नियमित रूप से सफारियों की सघन मॉनिटरिंग कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। रेंज अधिकारी शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन, भीड़ नियंत्रण, टिकटिंग व्यवस्था, वाहन सुविधा, दिशा-निर्देश एवं स्वच्छता प्रबंधन को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है, जिससे पर्यटकों को सुगम और सुरक्षित अनुभव मिल सके। वन विभाग की सतत निगरानी, प्रभावी प्रबंधन एवं सुविधाओं के निरंतर विस्तार के परिणामस्वरूप नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राज्य के सर्वाधिक लोकप्रिय वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शामिल हो चुका है। यह स्थल न केवल पर्यटन और राजस्व संवर्धन का माध्यम बन रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और जन-जागरूकता का भी सशक्त प्रतीक बनकर उभर रहा है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह में पेश की चादर

-शाह नवाज़ अन्सारी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल ने दरगाह में पेश की चादर

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उप मुख्यमंत्री निवास में सुफी संत हज़रत ख्वाजा मोईनूद्दीन चिश्ती (रह.) के 814 वें उर्स मुबारक पर अजमेर शरीफ दरगाह के लिए चादर भाजपा नागल मंडल के उपाध्यक्ष भाजपा पार्षद प्रत्याशी शाह नवाज़ अन्सारी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल को सौंपी थी, जिसे आज प्रतिनिधि मण्डल ने अजमेर शरीफ दरगाह में चादर पेश की और बुलन्द दरवाजे से उप मुख्यमंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया। जियारत और चादर पेश सैयद चिश्ती ने कराई। भारत राजस्थान में अमन जैन भाईचारे के लिए दुआ की।

उप मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि हिन्दस्तान की सर जमीन पर हज़रत ख्वाजा मोईनूद्दीन चिश्ती ने सभी समाज के कमजोर, गरीब और बेसहारा लोगों की खिदमत करने, एक-दुसरे के साथ आपसी भाईचारा कायम रखने पर जोर दिया और ख्वाजा गरीब नवाज़ ने विश्व को इंसानियत का अनमोल संदेश दिया। इस मुबारक मौके पर मैं ख्वाजा साहब से प्रदेश की तरक्की और खुशहाली की कामना करती हूँ। उन्होंने ख्वाजा साहब के आस्ताने पर आने वाले तमाम जायरीन और प्रदेशवासियों को उर्स की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर अब्दुल हमीद जोया,अब्दुल गफ्फार, नासिर खांन, मक़बूल खांन पठान,शाद खांन,ज़ुबैर खांन,गुलाम नबी, इरफ़ान खांन,लक्की सिंह,रानोली मोहम्मद सदफ़ सहित प्रमुख विद्याधर नगर विधानसभा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025:

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सरस राजसखी मेले की बढ़ी रौनक, फुटफॉल में हुआ इज़ाफ़ा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 अब अपने अंतिम सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और इस पड़ाव पर पहुँचकर यह मेला जयपुरवासियों के साथ-साथ देश-विदेश से आए पर्यटकों के लिए भी सबसे पसंदीदा ठिकाना बन गया है। सर्दियों की खुशनुमा शामें, रंग-बिरंगी रौनक और देसी स्वाद का अनूठा संगम इस मेले को खास बना रहा है। छुट्टियों का आनंद लेने, पारंपरिक खरीदारी करने और ग्रामीण संस्कृति को नज़दीक से महसूस करने के लिए हर दिन बड़ी संख्या में आगंतुक मेले का रुख कर रहे हैं। मेले का सांस्कृतिक मंच भी इन दिनों दर्शकों से खचाखच भरा रहता है। बुधवार को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में हरियाणा की लोकसंस्कृति की झलक कलाकार ज्योति दास की प्रस्तुति में देखने को मिली, जहाँ डफ और झूमर नृत्य की ताल पर दर्शक खुद को थिरकने से रोक नहीं पाए। वहीं, गौरव राणा द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोक नृत्य ने मरुस्थलीय संस्कृति की जीवंत तस्वीर मंच पर उतार दी। पारंपरिक वेशभूषा, सजीव भाव-भंगिमाएं और लोकसंगीत की गूंज ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। सरस राजसखी मेला केवल स्थल पर ही नहीं, बल्कि डिजिटल दुनिया में भी खासा चर्चा में है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह मेला ट्रेंड करता नजर आ रहा है। आमजन के साथ-साथ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स भी रोजाना मेले की रौनक, स्टॉल्स की विविधता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक रील्स व पोस्ट साझा कर रहे हैं, जिससे मेले की लोकप्रियता और तेजी से बढ़ रही है। खरीदारी के शौकीनों के लिए यह मेला किसी खजाने से कम नहीं है। यहाँ जूट से बने आकर्षक पर्स और सजावटी सामान पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हैं। टेराकोटा और मिट्टी से बने पारंपरिक बर्तन अपनी सादगी और कलात्मकता से लोगों को खूब लुभा रहे हैं। इसके साथ ही, विभिन्न राज्यों से आईं हथकरघा सिल्क की साड़ियां और रंग-बिरंगे दुपट्टे महिलाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। हर स्टॉल पर देश की ग्रामीण कला और शिल्प की अलग-अलग कहानी देखने को मिलती है। कुल मिलाकर, सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 अपने अंतिम सप्ताह में भी पूरे जोश और उमंग के साथ जयपुर की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत कर रहा है। यह मेला न केवल खरीदारी और मनोरंजन का केंद्र है, बल्कि भारतीय लोककला, संस्कृति और परंपराओं का जीवंत उत्सव भी है, जिसका अनुभव लेने से जयपुरवासी ही नहीं, बल्कि देश-विदेश से आए पर्यटक भी स्वयं को रोक नहीं पा रहे हैं।

वाणिज्य कर विभाग द्वारा अवैध पान मसाला एव मार्बल ग्रेनाइट के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वाणिज्य कर विभाग के आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशों की अनुपालना में विभाग द्वारा पान मसाला और ग्रेनाइट के अवैध परिवहन के विरुद्ध गई सघन जांच में बड़ी सफलता प्राप्त की है। विभाग की कई टीमों ने प्रदेश के विभिन राजमार्गों पर 26 दिसंबर से 31 दिसंबर तक आकस्मिक जांच कर 13 वाहनों को जब्त किया है। इन वाहनों में परिवहन किए जा रहे माल के दस्तावेजों की जांच में पाया गया कि कई वाहनों में बिना उचित दस्तावेजों (बिल और ई-वे बिल आदि) के माल परिवहन किया जा रहा था। कुछ वाहनो में माल के दस्तावेजों में कर मुक्त माल के दस्तावेज बनाए जा कर पान मसाला का परिवहन किया जा रहा था तथा कुछ में माल वास्तविक माल से पृथक दिखाया गया था। कुछ वाहनों में माल के पाने वाले के पते भी गलत बताए गए थे। विभाग की यह कार्रवाई सीकर , जयपुर, भरतपुर और अन्य क्षेत्रों में की गई। विभाग द्वारा जब्त किए गए वाहनों और माल का मूल्यांकन किया जा रहा है और आगे की कार्रवाई के लिए नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई जाएगी। मुख्य आयुक्त द्वारा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि ऐसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए और अधिक सख्ती से कार्रवाई की जाए ताकि राजस्व की हानि को रोका जा सके। उलेखनीय है कि गत दिनों विभाग दवारा स्टील , रियल एस्टेट माइनिंग सेक्टर आदि में कार्रवाई कर लगभग 450 करोड़ की कर चोरी उजागर की गई थी । पान मसाला, सुपारी, स्क्रैप मार्बल आदि के 28 वाहनों जब्त किया गया है ।

डॉ.चंद्रमोहन चहेता हुए श्रेष्ठ व्यवसायी पुरस्कार से सम्मानित

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के निजी रिसोर्ट में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सामाजिक न्याय आयोग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रेस्टीजियस अवार्ड 2025 सांगानेर के समाजसेवी डॉ. चंद्र मोहन चहेता को देकर सम्मानित किया गया। डॉ. चंद्र मोहन चहेता सांगानेर की ऐसी हस्ती है। जिन्होंने अनेक राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां हासिल की है, एवं युवा उद्यमी के तौर पर नए-नए आयाम स्थापित कर अपना, सांगानेर का, राजस्थान का ही नहीं पूरे देश का नाम रोशन किया है। पूरे सांगानेर में डॉ. चंद्र मोहन चहेता को गरीबों का मसीहा के नाम से जाना जाता है। हर सीजन में गरीबों की मदद करना उनका एक ध्येय बन गया है। इन तमाम उपलब्धियों की वजह से इनको श्रेष्ठ व्यवसायी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान समारोह में भारत के अलग-अलग राज्यों से आए 50 श्रेष्ठ प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया था। इस सुनहरे मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर संतोष बजाज, उमेश मीणा विधायक आसपुर, प्रदेश अध्यक्ष रामजी लाल बेरवा, पूर्व न्यायाधीश अनिल कुमार जैन, पी.सी. बेरवाल रि. IAS अधिकारी आदि एवं तमाम शासन प्रशासन के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थिति में कोई भी पात्र लाभार्थी केन्द्र तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। छात्रवृत्ति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पालनहार योजना, सिलिकोसिस योजना सहित अन्य विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर निश्चित समयावधि में पात्र लाभार्थियों को लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि भुगतान में विलंब और तय समयावधि में बजट व्यय नहीं होने के कारण कोई भी पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित रहा तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गहलोत ने अधिकारियों को जीरो पेंडेंसी पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। मंत्री गहलोत बुधवार को अंबेडकर भवन में विभागीय योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बैठक में बजट घोषणाओं, विभागीय योजनाओं की प्रगति, केंद्र सरकार से बजट आवंटन व उपयोगिता प्रमाण पत्र की स्थिति, निर्माण कार्यों की समीक्षा, संपर्क पोर्टल, CPGRAMS। डै पोर्टल आदि की समीक्षा की। साथ ही, उन्होंने विभाग में डीपीसी प्रकरणों, भर्ती प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा सहित विभिन्न विषयों पर विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गहलोत ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने तय मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग के लिए विभागीय समिति गठित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने केन्द्र व राज्य की योजनावार बजट आवंटन व व्यय की विस्तृत समीक्षा की।

कार्यालय नगर पालिका, महवा (दौसा) राज.

EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com   फोन नं. 07461 284005

क्रमांक-नपाम / 2025-26/3309   दिनांक-24/12/2025

आपत्ति आमत्रंण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है निम्न आवेदकों द्वारा नगर पालिका में 90ए/69ए के तहत भूमि नियमन एवं पट्टे चाहने हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। यदि इस सूची में दर्ज सम्पत्ति पर किसी आम व खास को कोई उज्र /आपत्ति हो तो पालिका में 07 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, बाद मियाद गुज़रने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार उक्त कार्यवाही की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	प्रयोजनार्थ	खसरा नं०	क्षेत्रफल
03	फूलवती देवी पत्नी श्री रूपचन्द मीना	शहदपुर	आवासीय	405/674, 405/675	142.19 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका
महवा

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने की जनगणना की तैयारियों की समीक्षा

- जिला परिषद सभागार में बुधवार को हुआ एक दिवसीय शिविर का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जनगणना–2027 को लेकर जयपुर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बुधवार को जिला परिषद सभागार में आयोजित एक दिवसीय शिविर में जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में प्रशासनिक इकाइयों की सूची एवं नक्शों के सत्यापन हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कलक्टर ने स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य राष्ट्रहित से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है, जिसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जानकारी दी गई कि जनगणना–2027 दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण मई से जून 2026 के मध्य एक माह की अवधि में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना के रूप में आयोजित किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण फरवरी–मार्च 2027 में जनसंख्या गणना की जाएगी। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि वर्ष 2011 के बाद नवगठित राजस्व ग्राम, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, नगर पालिका, नगर निगम जोन सहित सभी प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं एवं नक्शों का गहन सत्यापन किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। जिला कलक्टर ने सभी आयुक्त नगर परिषद एवं नगर जनगणना अधिकारी, जोन उपायुक्त एवं चार्ज जनगणना अधिकारी, तहसीलदार तथा अधिशासी अधिकारियों को तत्काल 'जनगणना सेल' का गठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए समयबद्ध तैयारियां पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया।

शिविर में जनगणना कार्य निदेशालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की टीम द्वारा बताया गया कि जनगणना–2027 पूर्णतः डिजिटल एवं पेपरलेस होगी। इस बार डेटा संकलन के लिए पेपर अनुसूचियों के स्थान पर मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक तेज, सटीक और पारदर्शी होगी। अधिकारियों को तकनीकी तैयारी एवं फील्ड लेवल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि इस बार प्रश्नावली में समयानुसार बदलाव किए गए हैं और नागरिकों से कुल 33 प्रकार की जानकारियां ली जाएंगी। इनमें परिवार के खान-पान की आदतें, घर में उपलब्ध डिजिटल संसाधन जैसे इंटरनेट, कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन तथा जीवन स्तर से जुड़ी जानकारियां—वाहन, मकान की संरचना, पेयजल स्रोत, शौचालय एवं रसोई में उपयोग होने वाले ईंधन आदि शामिल हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सटीक, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित जनगणना सुनिश्चित करने के लिए सभी स्तरों पर सतर्कता बरती जाएगी और जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संपादित किया जाएगा।

नगरीय विकास कर बकाया होने पर चार सम्पत्तियों को किया कुर्क

-कार्यवाही के दौरान मौके पर ही 4 बकायादारों द्वारा 11 लाख 95 हजार 772 रूपये करवाये जमा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार उपायुक्त झोटवाड़ा/वैशाली नगर जोन श्रीमती मनीषा यादव के नेतृत्व में बुधवार को 9 सम्पत्तियों के नगरीय विकास कर बकाया होने पर कुर्क की कार्यवाही की गई जिसमें 4 सम्पत्तिधारकों द्वारा 11 लाख 95 हजार 772 रूपये की राशि मौके पर ही जमा करवाया। कार्यवाही के दौरान राजस्व अधिकारी झोटवाड़ा/वैशाली नगर जोन एवं राजस्व टीम मौजूद रही।

उपायुक्त झोटवाड़ा/वैशाली नगर जोन श्रीमती मनीषा यादव ने बताया कि 9 सम्पत्तियों को नगरीय विकास कर बकाया होने पर सम्पत्तियां कुर्क करने की कार्यवाही की गई जिसमें से 4 सम्पत्तिधारकों द्वारा मौके पर ही 11 लाख 95 हजार 772 रूपये की राशि जमा करवा दी गई जिसे राशि जमा कर मौके पर ही खोल दिया गया तथा शेष को ताला लगाकर कुर्की की कार्रवाई की गई।

नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय पर नगरीय विकास कर का भुगतान करें, ताकि किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके और शहर के विकास कार्य सुचारू रूप से चलते रहें।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/ 108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

शहीद की प्रतिमा से लिपटकर रो पड़ी वीरांगना

-बलिदान दिवस पर राजमल मीणा की शहादत को किया नमन

बारां (रॉयल पत्रिका) । शहीद राजमल मीणा के बलिदान दिवस पर बुधवार को उस समय भावुक क्षण हो गए जब वीरांगना कमलेश देवी शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते समय एकाएक स्वयं पर काबू खोते हुए प्रतिमा से लिपटकर रो पड़ी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजन ने शहीद की कुर्बानी को शिद्दत से याद करते हुए कृतज्ञता प्रकट की। शहीद राजमल मीणा राजकीय जिला चिकित्सालय परिसर स्थित उद्यान में शहीद के बलिदान दिवस पर उनके सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर की गई। इस दौरान फर्स्ट बटालियन जंगी पलटन व 22 ग्रेनेडियर बटालियन सेना के जवानों ने कर्नल रविन्द्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में शहीद की प्रतिमा पर पुष्पचक्र व पुष्पांजलि अर्पित किए। जिला सैनिक कल्याण परिषद कोटा की ओर से भी पुष्पचक्र अर्पित किया गया। सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर शहीद को सलामी

भी दी। साथ ही शहीद की वीरांगना कमलेश मीणा को सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विधायक राधेश्याम बैरवा ने शहीद राजमल मीणा के बलिदान दिवस पर प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि शहीद की वीरता, समर्पण और बलिदान हम सभी गौरवान्वित हैं। उन्होंने कहा, आज हम यहां एक ऐसे वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिनका नाम हमारे दिलों में हमेशा के लिए अंकित रहेगा। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की। हम उनके साहस, उनके समर्पण और उनकी वीरता को हमेशा याद रखेंगे। हमें शहीदों को सच्चे अर्थों में सम्मानित करना है, तो हमें अपने कार्यों में ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा को अपनाना होगा। विधायक ललित मीणा ने कहा कि शहीद राजमल मीणा ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर सच्चे मायनों में हमें देश भक्ति का संदेश दिया है। बारां जिले में भी युवाओं को आगे आकर सेना में अपनी सेवाएं देना चाहिए और अपने अदम्य साहस से देश के अंदर और बाहर वीरता का परिचय देना चाहिए। हमारी सेना के साथ पूरा देश खड़ा है। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल, एएसपी राजेश चौधरी, सूबेदार सोमनाथ मांन्द्रे व धर्मेन्द्र सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सैनिक, पुलिस जवान व आमजन उपस्थित थे। जिन्होंने उनकी वीरता और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि शहीद राजमल मीणा ने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है, जो हमेशा हमारे दिलों में अमर रहेगा।

फतेहपुर टोल प्लाजा पर सुन्दरकाण्ड एवं कन्यभोज का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर स्थित फतेहपुर टोल प्लाजा के बालाजी मंदिर पर नववर्ष एकादशी के मौके पर टोल प्लाजा के सभी कर्मचारियों द्वारा आपसी सहयोग से संगीतमय सुन्दरकाण्ड एवं कन्यभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मानस मंडल चांदपुरा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिवक्ता फिरोज खान और जयेश सक्सेना रहे। कार्यक्रम में टोल प्लाजा के मैनेजर कुलदीप सिंह, जसविंदर सिंह साबी, पूर्व मैनेजर शिव कुमार शर्मा, अंकित हाड़ा, सीताराम गोस्वामी, विष्णु सक्सेना, विनोद सुमन, अनूप सिंह, कुलदीप मेघवाल, यशवंत पंकज, वीरेंद्र सुमन, धर्मेश माली, आकाश मेहरा, भगतसिंह चौधरी, रवि मीणा, अमन पांडे, बलराम, रमन पांडे, जोधराज सोनू, सुनील आदि मौजूद रहे।

पूर्व चैम्पियन बीकानेर को हरा कर बारां ने जीता शतरंज का खिताब

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय 36 वीं राज्य स्तरीय शिक्षक खेलकूद प्रतियोगिता में बारां जिले की टीम ने शतरंज में पूर्व चैम्पियन बीकानेर को कड़ी शिकस्त देते हुए खिताब जीता। आमापुरा स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के संयोजन में आयोजित प्रतियोगिता मेजबान बारां की ओर से शतरंज की टीम में प्रद्युम्न गौतम व वीरेंद्र राजोरिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहले दो राउंड में जयपुर व अलवर जिले की टीम को परास्त किया। जबकि फाइनल राउंड में पूर्व विजेता बीकानेर जिले को कड़े मुकाबलों में पराजित कर खिताब अपने नाम किया। विजेता बारां की टीम को बुधवार को आयोजित समापन समारोह ट्राफी से सम्मानित किया गया। शतरंज प्रतियोगिता

में प्रदीप चौरसिया मुख्य निर्णायक तथा प्रमोद गौतम, तारिणी चौरसिया, गणपत लाल सुमन, कुशलराज शर्मा, सुनील शर्मा आदि निर्णायक रहे। बारां टीम की विजय पर जिला शतरंज संघ के संरक्षक हेमराज बंसल, कोषाध्यक्ष राम बंसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चन्द्रेश शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, जगदीश शर्मा, सत्यप्रकाश साहू, पवन गौतम, ऋचा वर्मा सहित अन्य ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी।

देव दर्शन व सेवा कार्यो के साथ मनाया यश जैन भाया का जन्मदिन

बारां (रॉयल पत्रिका) । युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष यश जैन भाया का जन्मदिन कांग्रेसजनों एवं मित्रों द्वारा बडे उत्साह के साथ सेवा कार्य करते हुए मनाया गया। सेवादल जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष यश जैन भाया का आज ही के दिन राज्य के पूर्व खान एवं गोपालन मंत्री तथा अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया तथा जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया के घर पर जन्म हुआ था। जन्मदिन के अवसर पर यष जैन भाया द्वारा प्रातः दैनिक दिनचर्या से निवृत्त होकर जैन मंदिर, गणेष, भैरूजी, पार्क के बालाजी, बडां बालाजी धाम पहुंच कर देव दर्षन किए। इसके उपरान्त उनका माल्यार्पण कर, केक काटकर उनका मुंह मीठा करवाया गया। यष जैन भाया, कांग्रेसजनों एवं उनके मित्रों द्वारा विवेकानन्द पार्क के पास कोटा

रोड स्थित गौषाला पहुंचकर गौवंष को हरा चारा व गुड खिलाया। इसके उपरान्त शहीद राजमल मीणा जिला चिकित्सालय पहुंचकर शहीद राजमल मीणा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरीत किए तथा चिकित्सालय में जन्में बच्चों को सर्दी से बचाव हेतु ऊनी वस्त्र वितरीत किए गए। इस अवसर पर सभी कांग्रेसजनों एवं मित्रों ने यष जैन भाया को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु, स्वस्थ एवं जीवन में उन्नति करने की ईष्वर से मंगल शुभकामनाएं ज्ञापित की। इस अवसर पर शहर कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल बारां, युवा कांग्रेस, अल्प संख्यक व कॉलेज संगठन के पदाधिकारी सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

मार्बल मूर्ति कला में नि:शुल्क प्रशिक्षण का अवसर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, सवाई माधोपुर द्वारा ग्राम बांस टोरडा, बौली में वर्ष 2025-26 के अंतर्गत 5 दिवसीय मार्बल मूर्ति कला प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रशिक्षण हेतु 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा। महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र पंकज कुमार मीना ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी सादा कागज पर अपना नाम, पिता का नाम, शैक्षणिक योग्यता, जन्म तिथि, फोटो, पूर्ण पता एवं दूरभाष नंबर अंकित करते हुए महाप्रबंधक, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, सवाई माधोपुर के नाम संबोधित प्रार्थना पत्र 2 जनवरी, 2026 तक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रशिक्षण से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, सवाई माधोपुर से संपर्क कर सकते हैं।

महुवा में क्षारसूत्र शल्य नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में बुधवार तक 2821 मरीजों की ओपीडी की

- 121 रोगियों की आईपीडी कर नि:शुल्क इलाज किया

शफीक अली

महुवा (रॉयल पत्रिका)। महुवा अखंड मुख्यालय के राजकीय टीकाराम पालीवाल उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयुर्वेद विभाग एवं राष्ट्रीय आयुष मिशन के संयुक्त तत्वावधान में दस दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेद अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर में बुधवार तक 282 मरीजों की ओपीडी वे 121 मरीजों की आईपीडी कर निःशुल्क इलाज किया जा चुका है, शिविर-प्रभारी डॉ. महेश मीना व डॉ. जीतेश कुमार शर्मा ने बताया की दस दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर मे अर्श (मस्सा), भगन्दर (फिस्टूला), परिकर्तिका (फिशर), नाडीव्रण (साईनस) एवं गुदा की समस्त बीमारियों व सामान्य बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ वैद्यो द्वारा किया जा रहा है तथा निःशुल्क दवाई व ऑपरेशन किए जा रहे हैं। अब निःशुल्क शिविर में बुधवार तक 2821 मरीजों की ओपीडी, 121 मरीजो की

आईपीडी का पंजीकरण कर निःशुल्क दवाई दी गई जिनमें से 150 मरीजो की स्क्रीनिंग कर 121 मरीजों की सफल शल्य चिकित्सा की जा चुकी है। कार्यक्रम प्रभारी डॉ.राजकुमार मीना ने बताया कि निःशुल्क चिकित्सा शिविर मैं ओपीडी 3 जनवरी 2026 तक प्रातः 9:00 बजे से 3:00 तक राजकीय टीकाराम पालीवाल सी.सै. स्कूल में चलेगा। शिविर में राजस्थान के प्रसिद्ध डॉक्टर कमलेश शर्मा सर्जन, डॉ. उपेन्द्र (सर्जन), डॉ. विमलेश जैमन, डॉ. जितेश शर्मा, डॉ. महेश मीणा, डॉ. राजकुमार मीणा, डॉ. मनोज गुप्ता, देवेंद्र शर्मा जैसे योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क इलाज किया जा रहा है। जिसका अधिक से अधिक आमजन लाभ उठाएं । इस अवसर पर डॉक्टर कमलेश शर्मा सर्जन, डॉक्टर उपेंद्र सर्जन शिविर प्रभारी डॉक्टर महेश मीणा, डॉक्टर जितेश शर्मा, डॉक्टर शिवराम मीणा, डॉ. विमलेश जैमन, डॉ. राजकुमार मीणा, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. वेद प्रकाश मीणा, हेमलता मीणा, शिखा जैसवाल, देवेंद्र शर्मा, गो पुत्र सेना के राष्ट्रीय सचिव गौ पुत्र अवधेश अवस्थी, महुआनगर पालिका कनिष्ठ अभियंता पृथ्वीराज गुर्जर सहित समाज सेवी, रोगी व उनके परिवार जन शिविर में उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर काना राम ने बुधवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज सवाई माधोपुर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम मीणा एवं सोशल मीडिया प्रभारी अजय शर्मा मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयरहाउस की साफ-सफाई व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के सुरक्षित संधारण से संबंधित जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, परिसर में दीमक आदि की रोकथाम के लिए मौके पर ही छिड़काव करवाया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सुरक्षा कर्मियों को वेयरहाउस की सतर्क निगरानी करने तथा रोस्टर के अनुसार ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा और पारदर्शिता पर किसी प्रकार का संदेह न रहे। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय शर्मा, अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, अग्निशमन अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केक काटकर मनाया गया दूधवाखारा का स्थापना दिवस

-गांव में रहा उत्सव का माहौल क्रिकेट प्रतियोगिता कर दिए इनाम

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। तहसील का सबसे बड़ा गाँव दूधवाखारा जिसकी स्थापना 31 दिसम्बर 1428 ई. में हुई तय गांव को बसे 597 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ग्रामीणों ने उत्सव मनाया इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि डीके सिंह कस्वां, जनसेवा विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. मुस्तकीम शेख, रोशन खां, इंद्र चंद सहारण, मोहरसिंह जड़िया, आनंद बुडानिया, आबिद खान, राकेश मेहड़ा, निरंजन सिंह राठौड़, अजय धानक व आयोजन की रूप रेखा तैयार करकर आयोजन कर्ता (शीशराम कस्वां TRA) व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे व इस मौके पर शहीदों व स्वतंत्रता

सेनानियों के पारिवारिक सदस्यों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया व स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके समापन समारोह पर विजेता टीम राइजिंग चैंपियन व उपविजेता टीम वीर तेजा व अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी भेंट की गांव में पूरे दिन उत्सव का माहौल रहा कई कार्यक्रम हुए। इस प्रकार अच्छे आयोजन कर स्थापना दिवस मनाया गया।

सोनू लोहमरोड़ को मिलेगा रुकमणी वर्मा युवा साहित्यकार पुरस्कार

-प्रयास संस्थान द्वारा पैंतीस साल से कम के युवाओं को दिया जाता है प्रतिवर्ष यह पुरस्कार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों में संलग्न स्थानीय प्रयास संस्थान द्वारा अपने वार्षिक पुरस्कारों की शृंखला में राजस्थान प्रांत के हिंदी साहित्य के पैंतीस वर्ष से कम वय के रचनाकारों को प्रतिवर्ष दिए जाने वाला रूकमणी वर्मा युवा साहित्यकार पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए भोजाण-राजगढ के कवि सुनील कुमार लोहमरोड़ सोनू को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान सचिव कमल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2025 के पुरस्कार के लिए सुनील कुमार लोहमरोड़ सोनू की काव्य कृति 'हुआ यूं था' का चयन किया गया है। इस पुरस्कार के तहत रचनाकार को ग्यारह हजार

रुपये, शॉल, श्रीफल, मानपत्र देकर अलंकृत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार अब तक उदयपुर के मिहिर पंड्या, सेवा-गंगापुर सिटी के गंगा सहाय मीणा, सवाई माधोपुर के बलराम कांवट, पोसानी-सीकर के संदीप मील, विकासनगर-डूंगरपुर के हर्षिल पाटीदार, राजगढ़ की डिंपल राठौड़ एवं पीलवा-जयपुर के मेवाराम गुर्जर को मिल चुका है।

01 से 15 जनवरी तक ऑनलाईन भरें राज्य बीमा पॉलिसियों के स्वत्व प्रपत्र

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में सेवानिवृत होने वाले राज्यकर्मियों के हित में राज्य बीमा पॉलिसियों के भुगतान को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सहायक निदेशक गणपत राम चौधरी ने बताया कि 01 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2027 के मध्य सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिक जिनकी जन्म दिनांक 01 अप्रैल, 1966 से 31 मार्च, 1967 है, उनकी राज्य बीमा पॉलिसी आगामी 01 अप्रैल, 2026 को परिपक्व होगी। उन्होंने बताया कि दावों के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित कार्मिकों को अपनी अंतिम प्रीमियम कटौती दिसम्बर, 2025 के वेतन तक करवानी होगी। इसके पश्चात परिपक्वता स्वत्व दावा प्रपत्र को आवश्यक दस्तावेजों सहित अपनी एसएसओ आईडी से न्यू एसआईपीएफ पोर्टल पर 01 जनवरी से 15 जनवरी, 2026 तक आवश्यक रूप से दावा ऑनलाईन सबमिट करना होगा। समय पर आवेदन मिलने पर दावा राशि सीधे कार्मिकों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि दावा प्रपत्र प्रस्तुत करते समय कार्मिकों को परिपक्वता स्वत्त्व दावा प्रपत्र के साथ बीमा रिकॉर्ड बुक, मूल बीमा पॉलिसी, पदस्थापन विवरण, परिशिष्ट 'क' एवं आईएफएमएस / पे मैनेजर वाली बैंक पास बुक या निरस्त चैक की प्रति आवश्यक रूप से अपलोड करनी होगी। सहायक निदेशक गणपत राम चौधरी ने बताया कि चिकित्सा अधिकारियों व पॉलिसी विस्तार के लिए विशेष प्रावधान विज्ञप्ति में यह भी स्पष्ट किया जा रहा है कि राज्य सरकार के जिन चिकित्सा अधिकारियों की सेवानिवृति आयु 60 से बढ़ाकर 62 अथवा 65 वर्ष कर दी गई है, उनकी पॉलिसी की परिपक्वता तिथि स्वतः ही तदनुसार परिवर्तित हो जाएगी। इसके अतिरिक्त यदि कोई बीमेदार बीमा नियम, 1998 के नियम 39/2 (1) के तहत अपनी पॉलिसी को एक वर्ष निरंतर जारी रखना चाहता है, तो उसे अपनी एसएसओ आईडी पर 'एक्सटेन्डेड पॉलिसी विकल्प सबमिट करते हुए आहरण एवं वितरण अधिकारी के माध्यम से विकल्प पत्र भरकर बीमा विभाग में भिजवाना होगा।

ओम कॉलोनी रेलवे फाटक के दोनों तरफ लगती है वाहनों की लंबी कतार, आमजन परेशान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर प्रशासन की अनदेखी और मनमानी के कारण राह चलते लोगों को बहुत दिक्कत हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार पूनिया कॉलोनी में बिसाऊ रेलवे फाटक के पास पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसे ही इस मार्ग पर बड़े वाहनों के लिए यातायात व्यवस्था बंद कर दी गई है। पुल के निर्माण का काम बहुत ही धीमी गति से चल रहा है। अधिकांश वाहन यहां ओम कॉलोनी रेलवे फाटक से गुजरते हैं। फाटक बंद होते ही यहां दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगी रहती है। आमजन को काफी परेशान उठानी पड़ रही है। प्रशासन को बार बार अवगत करवा देने के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं हो रहा है। इसी तरह अग्रसेन नगर फाटक के पास वाहनों की लाइन देखी जा सकती है।आखिर प्रशासन सुध क्यों नहीं ले रहा है, यह बात समझ से बाहर है। चर्चा है कि उच्च अधिकारी सर्फ अपनी जेब भरने में लगे हुए हैं। उन्हें आमजन की परेशानी से कोई लेना देना नहीं है। यहां के जन प्रतिनिधि भी सब कुछ जानते हुए चुप बैठे हैं। यह सबसे बड़े दुर्भाग्य की बात मानी जा रही है। कुल मिलाकर चूरू प्रशासन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पीएम नरेंद्र मोदी की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहा है। लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि सरकार द्वारा चूरू में उच्च अधिकारियों के रूम में खातर एकत्रित कर दी गई है। इस खाद में भ्रष्टाचार की फसल खूब पनप रही है।

अर्चना फाउंडेशन द्वारा गढ़ हिम्मत सिंह में 19 वां नि:शुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

-168 मरीज का परीक्षण कर 24 मरीजों को ऑपरेशन कराकर सफल आयोजन किया

शफीक अली

महुवा (रॉयल पत्रिका)। महुवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गढ़ हिम्मतसिंह में सोनू आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में बुधवार को अर्चना फाउंडेशन द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर में ग्राम वासियों का उत्साह देखने को मिला। दीपक बालोत ने बताया इस शिविर में कुल 168 लोग नेत्र जांच के लिए आए इस शिविर में जयपुर के सहाय हॉस्पिटल की टीम ने 24 मोतियाबिंद के मरीजों को चिन्हित कर अर्चना फाउंडेशन के द्वारा जयपुर भेजने की व्यवस्था की।

सभी मरीजों के लिए अर्चना फाउंडेशन ने निःशुल्क यात्रा, रहने और खाने की व्यवस्था की। सभी मरीजों को जयपुर में सहाय हॉस्पिटल में अनुभवी डॉक्टरों द्वारा मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया और बाद में अर्चना फांडेशन की टीम ने सभी मरीजों को सुरक्षित उनके घर भेजने की व्यवस्था की। इस ऐतिहासिक शिविर में अर्चना फाउंडेशन टीम के दीपक बालोत कटहैडा, संतोष जोरवाल, धमेंद्र अमरपुर, लालू प्रसाद, लोकेश मीमरोट, सहित सभी सदस्य

शामिल रहे जिन्होंने सोनू आदर्श विद्या मंदिर स्कूल के संचालक अनिल शर्मा महुवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष पत्रकार अवधेश अवस्थी का आभार व्यक्त किया। शिविर में अनिल शर्मा, बनवारी सैनी, बलराम मीना, राजू बारी, उमेश चन्द शर्मा, नाहर सिंह, अर्चना गुप्ता, विक्रम जांगिड़ वउनकी टीम ने इस शिविर के आयोजन में पूर्ण सहयोग दिया, जिससे यह आयोजन सफल हो सका। ग्रामीणों ने अर्चना फाउंडेशन की टीम का दिल से धन्यवाद किया और शिविर में भाग लेने वाले सभी विशेषज़ डॉक्टरों और अर्चना फाउंडेशन टीम के योगदान की सराहना की। सोनू आदर्श विद्या मंदिर स्कूल की टीम ने भी इस आयोजन के समापन पर सभी को शुभकामनाएं दी और इस सफल शिविर का समापन किया। समानता, सेवा और सहानुभूति की मिसाल यह आयोजन न केवल चिकित्सा सेवा की दिशा में एक अहम कदम था, बल्कि यह अर्चना फाउंडेशन की ओर से समाज की भलाई के प्रति उनके सम्पण का भी प्रतीक बनकर उभरा हैं।

पीएंडजी का शुद्ध लाभ 19.1 प्रतिशत बढ़कर 683.29 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। एरियल व टाइड जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड का प्रबंधन करने वाली प्रॉक्टर एंड गैम्बल (पीएंडजी) होम प्रोडक्ट्स लिमिटेड का वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ 19.1 प्रतिशत बढ़कर 683.29 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन अवधि में परिचालन आय भी 3.4 प्रतिशत बढ़कर 9,054.11 करोड़ रुपए हो गई। बिजनेस इंटेलिजेंस मंच 'टोफ्लर से प्राप्त वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए इसकी कुल आय (जिसमें अन्य आय भी शामिल है) करीब दो प्रतिशत घटकर 9,228.83 करोड़ रुपए रह गई। कुल व्यय 8,292.91 करोड़ रुपए रहा जो एक वर्ष पहले के 8,156.29 करोड़ रुपए से 1.67 प्रतिशत अधिक है। प्रॉक्टर एंड गैंबल होम प्रोडक्ट्स लिमिटेड (पीजीएचपीएल) का शुद्ध लाभ 2023-24 में 573.6 करोड़ रुपए था और परिचालन आय 8,756.79 करोड़ रुपए दर्ज की गई थी। पीजीएचपीएल एक गैर-सूचीबद्ध कंपनी है जो अमेरिका के ओहायो स्थित वैश्विक एफएमसीजी कंपनी प्रॉक्टर एंड गैम्बल के माध्यम से भारत में परिचालन करती है। कंपनी फैब्रिक और होम केयर, बेबी केयर तथा हेयर केयर कारोबार में सक्रिय है। इसके खंड में पैंपर्स, एरियल, टाइड, पैंटीन जैसे प्रमुख ब्रांड शामिल हैं। पीजीएचपीएल का विज्ञापन एवं बिक्री संवर्धन व्यय 31 मार्च 2025 तक सालाना आधार पर 765.15 करोड़ रुपए से 21.5 प्रतिशत बढ़कर 930.03 करोड़ रुपए हो गया।

एनएसई के सालाना प्रदर्शन पर एक नज़र

भोपाल। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने वर्ष 2025 के अपने सालाना ऑंकड़े जारी किए हैं। 19 दिसंबर, 2025 तक के ऑंकड़ों के मुताबिक, दुनिया में चल रही आर्थिक उठा-पटक के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में उत्कृष्ट मजबूती देखने को मिली। इम्टी बाजार, पूँजी निर्माण और निवेशकों की भागीदारी, तीनों ही मोर्चों पर बढ़त देखने को मिली। मार्केट की स्थिति और मार्केट कैपिटलाइजेशन : निफ्टी 50 इंडेक्स वर्ष 2025 में बढ़कर 23,645 से 25,966 पर पहुँच गया, यानि करीब 9.8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। एनएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 439 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 469 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो करीब 6.8 फीसदी की बढ़त दर्शाता है।
मार्केट कैप और जीडीपी का अनुपात 136 फीसदी रहा, जो पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग स्थिर बना रहा। इम्टी, डेट और बिज़नेस ट्रस्ट के ज़रिए कुल 19.17 लाख करोड़ रुपए का फंड जुटाया गया, जो कि वर्ष 2024 के 17.89 लाख करोड़ रुपए से करीब 7 फीसदी ज्यादा रहा। इम्टी से कुल 4.12 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए, जबकि डेट के ज़रिए 14.72 लाख करोड़ रुपए आए। डेट निर्माण में करीब 10 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। वर्ष 2025 में 101 मेनबोर्ड आईपीओ के ज़रिए 1.71 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए। वहीं, 112 एसएमई आईपीओ से 5,589 करोड़ रुपए का फंड आया।

मुंबई को रोमांटिक रंगों से सजाया

मुंबई, एजेंसी। 26 दिसंबर को ज़ी5 पर एक दीवाने की दीवानियत के डिजिटल प्रीमियर के बाद, प्लेटफॉर्म ने मुंबई के दो प्रतिष्ठित स्थानों—बांद्रा बैंडस्टैंड और कार्टर रोड पर एक शानदार और दृश्यात्मक रूप से आकर्षक एक्टिवेशन के साथ फिल्म का जश्न मनाया। इस अनुभव की शुरुआत बांद्रा बैंडस्टैंड से हुई, जहाँ फिल्म के मुख्य कलाकार हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की मौजूदगी में फिल्म से प्रेरित एक विशेष रूप से तैयार की गई ऑगमेंटेड रियलिटी वॉल का अनावरण किया गया। क्यूआर कोड स्कैन करके मीडिया और दर्शकों ने नई रिलीज़ हुई फिल्म से जुड़े विशेष कंटेंट और जानकारी को देखा। इंस्टॉलेशन से आगे बढ़ते हुए, कलाकार मीडिया के सदस्यों के साथ ज़ी5 ब्रांडेड बस में सवार हुए, जो बांद्रा बैंडस्टैंड से कार्टर रोड तक गई। यह बस शहर में चलते हुए एक आकर्षक दृश्य बन गई, जिससे फिल्म की मौजूदगी स्थिर जगहों से बाहर निकलकर पूरे शहर में दिखाई दी और प्रीमियर के बाद के जश्न में एक गतिशील रंग जुड़ गया।

नए साल से पहले खुशखबरी!

दुनिया में भारत की धाक, चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बने हम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। साल के अंत में जारी आर्थिक समीक्षा के मुताबिक, भारत ने अब जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा किया है। सरकार का कहना है कि भारत का कुल सकल घरेलू उत्पाद 4.18 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि 2026 में जारी होने वाले अंतिम आंकड़ों के बाद ही होगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है कि 2026 में भारत की जीडीपी4.51 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है, जबकि जापान की 4.46 ट्रिलियन डॉलर, यानी भारत का आगे निकलना लगभग तय माना जा रहा है।

सरकार इससे भी आगे की उम्मीद कर रही है। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि अगर मौजूदा रफ्तार बनी रही तो भारत अगले ढाई से तीन साल में जर्मनी को भी पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। अनुमान है कि 2030 तक भारत की जीडीपी 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है।

आम भारतीय की आय अभी भी कम

हालांकि, तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही अहम है। कुल जीडीपीके मामले में आगे बढ़ने के बावजूद आम भारतीय की आय अभी भी काफी कम है। 2024 में भारत की प्रति व्यक्ति आय सिर्फ 2,694 डॉलर रही, जो जापान से 12 गुना और जर्मनी से करीब 20 गुना कम है। भारत 2023 में चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन चुका है।

कर्ज चुकाने जा रही यह कंपनी, शेयर खरीदने की लूट, 37 पर आया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। कैफे कॉफी डे (सीसीडी) का संचालन करने वाली कंपनी कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) एक्सिस बैंक के साथ अपने बकाया कर्ज का निपटारा करने जा रही है। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने एकमुश्त निपटान के रूप में 70 करोड़ रुपये चुकाने को मंजूरी दी है। बता दें कि आज सोमवार को कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयर 8 पर्सेंट तक चढ़कर 37.90 रुपये पर पहुंच गए। अब कल मंगलवार को यह शेयर फोकस में रह सकते हैं।

कॉफी डे एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजार को सोमवार को दी सूचना में कहा, एक्सिस बैंक लिमिटेड ने कंपनी के बकाया कर्ज के लिए 70 करोड़ रुपये के एकमुश्त निपटान को मंजूरी दी है। एकमुश्त निपटान के तहत सीडीईएल इस राशि का भुगतान 30 सितंबर, 2026 तक पूरा कर देगी। कर्ज से जूझ रही यह कंपनी अपनी देनदारियों का निपटारा संपत्तियों के समाधान और अन्य तरीकों से कर रही है। वी. जी. सिद्धार्थ के निधन के बाद विभिन्न कारणों से संकट में फंस गई थी। 3,535 करोड़ रुपये कथित रूप से कंपनी से माइसोर एमलगमेटेड कॉफी एस्टेट्स लिमिटेड में स्थानांतरित किए गए थे, जो उसके दिवंगत संस्थापक की निजी कंपनी है। कंपनी का कुल वित्तीय ऋण 30 जून, 2025 तक 372.52 करोड़ रुपये था। इसमें बैंक और गैर-परिवर्तनीय जमा (एनसीडी) से लघु एवं दीर्घकालिक कर्ज शामिल है। कैफे कॉफी डे का संचालन करने वाली कॉफी डे ग्लोबल का घाटा सितंबर तिमाही के दौरान बढ़कर 6.18 करोड़ रुपये हो गया। वहीं इसका शुद्ध राजस्व 5.6 प्रतिशत बढ़कर 274.18 करोड़ रुपये रहा। कॉफी डे ग्लोबल की मूल इकाई, कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 259.64 करोड़ रुपये का शुद्ध राजस्व और 5.48 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया था।

विजय केडिया के दांव लगाते ही शेयर पर टूट पड़े लोग

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया के दांव लगाते ही मंगलम ड्रग्स एंड ऑर्गेनिक्स के शेयरों पर लोग टूट पड़े हैं। मंगलम ड्रग्स एंड ऑर्गेनिक्स के शेयर मंगलवार को बीएसई में 5 पर्सेंट चढ़कर 26.28 रुपये पर पहुंच गए हैं। बीएसई में मंगलवार को दोपहर 2 बजे मंगलम ड्रग्स एंड ऑर्गेनिक्स के 6.19 लाख से ज्यादा शेयरों के बाय ऑर्डर पेंडिंग दिखा रहा है। विजय केडिया ने अपनी इनवेस्टमेंट फर्म केडिया सिक्योरिटीज के जरिए मंगलम ड्रग्स एंड ऑर्गेनिक्स के शेयर खरीदे हैं। पिछले 6 महीने में इस फार्मास्युटिकल्स कंपनी के शेयरों में 67 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के बल्क डील डेटा के मुताबिक, विजय केडिया की इनवेस्टमेंट इकाई केडिया सिक्योरिटीज ने सोमवार को मंगलम ड्रग्स एंड ऑर्गेनिक्स के 1,37,794 शेयर खरीदे हैं। केडिया सिक्योरिटीज ने यह शेयर 24.15 रुपये प्रति शेयर के दाम पर खरीदे हैं। बीएसई के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक, सितंबर 2025 तिमाही में कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 50.30 पर्सेंट थी। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 49.70 पर्सेंट थी। मंगलम

ड्रग्स एंड ऑर्गेनिक्स के शेयर इस साल अब तक 78 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। फार्मास्युटिकल्स कंपनी के शेयर इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2025 को 119.70 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 30 दिसंबर 2025 को बीएसई में 26.28 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 77 पर्सेंट से अधिक की गिरावट आई है। वहीं, पिछले छह महीने में मंगलम ड्रग्स एंड ऑर्गेनिक्स के शेयर 67 पर्सेंट से ज्यादा टूट गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 129.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 22.70 रुपये है।

एयर और वॉटर प्यूरीफायर पर जीएसटी कटौती की उम्मीद, कांउसिल कर सकती है ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी काउंसिल अगली बैठक में एयर और वॉटर प्यूरीफायर पर टैक्स कम करने पर विचार कर सकती है। यह विचार देश भर में खराब होती हवा की गुणवत्ता और सुरक्षित पीने के पानी की असमान पहुंच को देखते हुए आया है। बिजनेस स्टैंडर्ड के जानकार सूत्रों के अनुसार, काउंसिल घरेलू उपयोग के एयर और वॉटर प्यूरीफायर पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने पर विचार कर सकती है, ताकि उन्हें विलासिता की बजाय आवश्यक वस्तुओं की श्रेणी में रखा जा सके।

उद्योग के अनुमान बताते हैं कि जीएसटी दर कम होने से खुदरा कीमतों में 10 से 15 प्रतिशत की कमी आ सकती है। इससे कम आय वाले परिवारों के लिए भरोसेमंद शुद्धिकरण तकनीक सस्ती और सुलभ हो जाएगी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जीएसटी काउंसिल की

अगली बैठक कब होगी। काउंसिल की पिछली बैठक सितंबर में हुई थी, जहां प्यूरीफायर पर दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

अधिकारियों का कहना है कि यह मुद्दा सक्रिय रूप से विचाराधीन है, लेकिन किसी भी कमी के लिए राज्यों के वित्त मंत्रियों की सहमति जरूरी है। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि ऐसा कदम कई नई समस्याएं खड़ी कर सकता है, लेकिन यह भी कहा कि इस मामले पर विचार किया जाएगा। अदालत का हस्तक्षेप एक जनहित याचिका के बाद आया, जिसमें तर्क दिया गया था कि प्यूरीफायर पर 18 प्रतिशत टैक्स लगाकर उन्हें लक्जरी वस्तु मानना जन स्वास्थ्य के साथ अन्याय है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने भी कहा कम करें जीएसटी

काउंसिल पर दबाव पिछले कुछ हफ्तों में और बढ़ गया है। 24 दिसंबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए, एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी कम करने या खत्म करने पर विचार करने के लिए जल्द से जल्द एक बैठक बुलाए। नवंबर में, पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र से एयर और वॉटर दोनों प्यूरीफायर पर जीएसटी खत्म करने का आग्रह किया था। उद्योग और व्यापार निकायों ने भी सरकार से 5 प्रतिशत दर करने की मांग की है।

90 प्रतिशत फायदे पर लिस्टिंग, फिर रॉकेट बना शेयर

पहले ही दिन दोगुना हुआ लोगों का पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी।
एक छोटी कंपनी श्याम धनी इंडस्ट्रीज की शेयर बाजार में जबरदस्त एंट्री हुई है। श्याम धनी इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को एनएसई में 90 पर्सेंट के फायदे के साथ 133 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 70 रुपये था। लिस्टिंग के ठीक बाद श्याम धनी इंडस्ट्रीज के शेयरों में और तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट और चढ़कर 139.65 रुपये पर पहुंच गए हैं। यानी, श्याम धनी इंडस्ट्रीज के शेयर पहले ही दिन 100 पर्सेंट उछल गए हैं और इन्होंने बाजार में उतरते ही लोगों का पैसा दोगुना कर दिया है।

श्याम धनी इंडस्ट्रीज के आईपीओ पर टोटल 988.29 गुना दांव लगा था। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी

में 1137.92 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। वहीं, गैर संस्थागत निवेशकों की कैटेगरी में 1612.65 गुना दांव लगा। श्याम धनी इंडस्ट्रीज के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 256.24 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। श्याम धनी इंडस्ट्रीज के आईपीओ में आम निवेशक 2 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की 2 लॉट में 4000 शेयर थे। यानी, आम निवेशकों को कंपनी के आईपीओ में 2,80,000 रुपये का निवेश करना पड़ा।श्याम धनी इंडस्ट्रीज की शुरुआत 1995 में हुई है। श्याम धनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक आइएसओ सर्टिफाइड कंपनी है। कंपनी प्रीमियम मसालों, खड़े मसालों और पिसे हुए मसालों की मैन्युफैक्चरर, एक्सपोर्टर, होलसेलर और सप्लायर है। श्याम धनी इंडस्ट्रीज ब्लैक सॉल्ट, रॉक सॉल्ट, चावल, पोहा, कसूरी मेथी, ऑर्गेनो, पेरी पेरी, चिली फ्लेक्स, मिक्स्ड हर्ब्स, ओनियन फ्लेक्स और टोमैटो पाउडर जैसे प्रॉडक्ट्स की ट्रेडिंग और डिस्ट्रीब्यूशन करती है। कंपनी अपने प्रॉडक्ट्स को श्याम ब्रांड नेम के तहत बेचती है।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने रचा इतिहास

मुंबई , एजेंसी। कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई ने भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय रिमोट रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक करके एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। यह सर्जरी मुंबई में दो मरीजों पर की गई, जबकि ऑपरेटिंग सर्जन डॉ. टी. बी. युवराजा (डायरेक्टर-ग्रुप, यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी) 5,000 किलोमीटर दूर शंघाई में थे। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से मंजूरी मिलने के बाद, भारत में तौमाई0 रिमोट रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का यह पहला सीमा-पार नैदानिक अनुप्रयोग है। यह उपलब्धि देश की दूरस्थ शल्य चिकित्सा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है। यह ऐतिहासिक प्रक्रिया मुंबई में दो मरीजों पर की गई, जिसमें रोबोट की सहायता से रेडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी और पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इन जटिल यूरोलॉजिकल सर्जरी को 5,000 किलोमीटर से अधिक दूर बैठे एक विशेषज्ञ सर्जन द्वारा रिमोटली संचालित किया गया, जो जटिल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए लंबी दूरी के रोबोटिक हस्तक्षेप की सुरक्षा, सटीकता और विश्वसनीयता को प्रमाणित करता है। दोनों सर्जरी तौमाई0 सिस्टम का उपयोग करके रिमोट तरीके से (दूर बैठे) की गईं, जो वर्तमान में टेली-सर्जरी के लिए यूएस एफडीए स्टडी द्वारा अध्ययन की मंजूरी पाने वाला एकमात्र रोबोटिक सर्जिकल प्लेटफॉर्म है। इन प्रक्रियाओं ने वास्तविक समय में सर्जिकल नियंत्रण और उच्च सटीकता का प्रदर्शन किया, जिससे मरीज की सुरक्षा से कोई समझौता किए बिना विशाल भौगोलिक दूरी के बावजूद सफलता हासिल की गई। इन अंतरराष्ट्रीय सर्जरी को हाई-स्पीड, स्थिर डेटा ट्रांसमिशन और कई सुरक्षा-आश्वासन टेक्नोलॉजी द्वारा संभव बनाया गया। इस सिस्टम ने मात्र 132 मिलीसेकंड की अल्ट्रा-लो बाईडायरेक्शनल लेटेंसी के साथ वास्तविक समय में सर्जिकल नियंत्रण सुनिश्चित किया।

नए साल 2026 के साथ बैंकिंग, वेतन, डिजिटल पेमेंट से जुड़े अहम नियम बदलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।
साल 2026 बैंकिंग, वेतन, डिजिटल भुगतान और आम उपभोक्ता से जुड़े कई अहम नियम बदलाव लेकर आ रहा है। इन बदलावों का असर सीधे हमारी जिंदगी और खर्च की योजना पर दिखेगा। सबसे बड़ा बदलाव 8वें वेतन आयोग को लेकर होने जा रहा है। इससे लाखों कर्मचारियों और पेंशनधारियों की मासिक आय में बदलाव होगा। सरकार जल्द ही 8वां वेतन आयोग लागू करने वाली है। उम्मीद लगाई जा रही है कि 8वां वेतन आयोग एक जनवरी

2026 से प्रभावी हो जाएगा। हालांकि, लागू होने में समय लग सकता है। इसके तहत सैलरी, पेंशन और भत्तों में अहम संशोधन हो सकते हैं।

8वें वेतन आयोग के तहत कितनी सैलरी बढ़ सकती है, इसका आधिकारिक आंकड़ा अभी तय नहीं है। लेकिन शुरुआती अनुमानों के मुताबिक 20-35 प्रतिशत तक बढ़ोतरी संभव मानी जा रही है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था, जबकि 8वें में इसके 2.4 से 3.0 के बीच रहने की चर्चा है। वित्त वर्ष 2026-27 में एरियर मिलने की भी उम्मीद जताई जा रही है। सरकार ने सभी लोगों के लिए आधार-पैन लिंक को अनिवार्य कर दिया है और आधार-पैन लिंकिंग की आखिरी तारीख 31 दिसंबर 2025 है, जो लोग 31 दिसंबर तक अपना आधार पैन लिंक नहीं करेंगे, उनका पैन कार्ड एक जनवरी से निष्क्रिय हो जाएगा। इसके बाद लोगों को जुर्माना देकर अपना पैन-आधार लिंक करना होगा। लिंक न होने की स्थिति में खाते से जुड़ी सुविधाएं सीमित हो सकती हैं या रुक भी सकती हैं।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के शेयरों में लगातार 8वें दिन रिकॉर्ड तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी।
लगाता गिर रहे शेयर मार्केट में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के शेयरों ने मंगलवार, 30 दिसंबर को भी मजबूत रैली जारी रखी और कारोबार के शुरुआती घंटों में लगभग 7 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। यह लगातार आठवां सत्र है जब शेयरों में तेजी देखी गई है। मंगलवार को कारोबार के पहले दो घंटों में ही हिंदुस्तान कॉपर के लगभग 7 करोड़ शेयरों का हाथ बदल चुका था। इस समय तक, शेयर 5.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 514.95 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वर्ष 2025 में अब तक हिंदुस्तान कॉपर के शेयरों में लगभग 110 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसकी रफ्तार सोमवार को दर्ज की गई तेज रैली के बाद आई है, जब शेयर ने 545.95 रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर को छुआ था। सोमवार की यह बढ़त अप्रैल 2010 के बाद से सबसे तेज एक-दिवसीय उछाल थी, जो वैश्विक तांबे की कीमतों में रैली से प्रेरित थी। लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे की कीमतें अब रिकॉर्ड स्तर पार करने के बाद 13,000 डॉलर प्रति टन के आसपास मंडरा रही हैं।

वैश्विक कारणों से मिला समर्थन: यह रैली वैश्विक बाजार में आपूर्ति में कमी, अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों में सुधार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और डॉलर के कमजोर पड़ने से समर्थित है। कमजोर डॉलर अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए डॉलर-निर्धारित वस्तुओं को सस्ता बनाकर उनकी मांग बढ़ाता है। वैश्विक संकेतों का अनुसरण करते हुए, भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर तांबे के वायदा भी नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। मंगलवार को इंट्राडे में, हिंदुस्तान कॉपर के शेयरों ने चल रहे आठ सत्रों की रैली में लगभग 40 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की, और कंपनी का मार्केट कैप 50,000 करोड़ रुपये के नजदीक पहुंच गया।

बिटसैट-2026: बिट्स पिलानी ने जारी किया शेड्यूल और आवेदन से जुड़ी जानकारी

भोपाल। प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट-बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस पिलानी ने बीआईटीएस एडमिशन टेस्ट (बिटसैट)-2026 का पूरा शेड्यूल और आवेदन से जुड़ी जानकारी जारी कर दी है। यह एंट्रेंस एग्ज़ाम इसके अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए आयोजित किया जाता है और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय है।आवेदन की प्रक्रिया 15 दिसंबर, 2025 से शुरू हो चुकी है और पहले सेशन के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख 16 मार्च, 2026 है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे समय सीमा से पहले आवेदन पूरा कर लें और नियमित रूप से ऑफिशियल वेबसाइट पर अपडेट देखते रहें।परीक्षा दो सेशन्स में आयोजित होगी। सेशन-1 की तारीखें 15 अप्रैल से 17 अप्रैल, 2026 तक हैं, जबकि सेशन-2 की परीक्षा 24 मई से 26 मई, 2026 तक होगी। कैंडिडेट्स चाहें तो एक, या फिर दोनों सेशंस में शामिल हो सकते हैं। दोनों सेशन्स देने वाले कैंडिडेट्स के लिए फायदा यह रहेगा कि दोनों में से जिस भी सेशन में उन्होंने हाई स्कोर किया है, उसके अनुसार वे एडमिशन ले सकेंगे।मेरिट आधारित और पारदर्शी एडमिशन प्रक्रिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, बिट्स पिलानी देशभर के मेधावी छात्रों को बिटसैट-2026 में आवेदन करने और अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता की परंपरा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करता है। इच्छुक छात्र देशभर से इसमें आवेदन कर सकते हैं और इस इंस्टीट्यूट का हिस्सा बन सकते हैं।इस मौके पर बिट्स पिलानी के वाइस चांसलर, प्रो. रामगोपाल राव ने कहा, बिट्स पिलानी में हमारी कोशिश यही रहती है कि हर प्रतिभाशाली छात्र तक हमारे इंस्टीट्यूट की पहुँच हो। हमारे कैंपस में हर चार में से एक छात्र को किसी न किसी रूप में आर्थिक सहायता मिलती है। हमारे कई पूर्व छात्र भी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों और बिट्स पिलानी में पढ़ने की इच्छा रखने वाली लड़कियों के लिए पूरी तरह फंडेड स्कॉलरशिप चला रहे हैं। हम खास तौर पर कम और मध्यम आय वाले परिवारों के छात्रों को पूरे भरोसे के साथ बिटसैट देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यदि छात्र में काबिलियत है, तो उसकी पढ़ाई में मदद का रास्ता हम जरूर निकालते हैं। इसी विचार के साथ बिट्स पिलानी पहचाना जाता है।

'इज्जत दोगे तो इज्जत मिलेगी' पैप्स पर भड़की

फरहाना भट्ट

बिग बॉस 19 खत्म होने के बाद भी फरहाना भट्ट लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। फिर चाहे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना हो या पैप्स के संग बेबाक अंदाज में बात करना , वो लाइमलाइट बटोरने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देतीं। हाल ही में फरहाना को एक इवेंट में देखा गया इसी बीच वो पैपराजीपर भड़क गईं और काफी नाराज होती नजर आईं। सोशल मीडिया पर फरहाना की ये वीडियो जमकर वायरल हो रही है। पैप्स ने जैसे ही उन्हें कैमरे में कैद करने की कोशिश की। उन्होंने एक फोटोग्राफर से कहा,'अभी तुम कुछ बोल रहे थे, क्या बोल रहे थे अभी की पीया है, कुछ तो बोल रहे थे ना ऐसा।' फरहाना ने आगे कहा,'मेरे सामने ये सब नहीं करना दोबारा, मैं तुम लोगों से मस्ती-मजाक में प्यार करती हूं, इज्जत दोगे तो इज्जत मिलेगी।' उसके बाद पैप्स की तरफ मुड़कर फरहाना ने कहा,'चलो, अब ऐसे ही खड़ी रहूं, कुछ बातें नहीं करनी तुम लोगों को?'. इस वीडियो को देखने के बाद लोग फरहाना की जमकर तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं।

बॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन

गुरलीन चोपड़ा

निभा रहीं डबल रोल

फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने एक्टिंग के साथ ही अपनी फिटनेस और हेल्थ की दुनिया में भी कदम रखा है। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं गुरलीन चोपड़ा, जिनका नाम फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ फिटनेस के क्षेत्र में भी जाना जाता है। गुरलीन की कहानी सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने सही जीवनशैली और फिटनेस के महत्व पर भी जोर दिया है। उन्होंने 'मिस चंडीगढ़' का खिताब जीता। यह उनके लिए करियर की दिशा बदलने वाला पल साबित हुआ। दोस्तों के सुझाव की वजह से उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। शुरुआत में उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो और विज्ञापनों में काम किया, यहां से उन्हें फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचने का मौका मिला। गुरलीन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म 'इंडियन बाबू' से की। इसके बाद उनकी अगली फिल्म 'कुछ तो गड़बड़ है' आई, जिसमें उन्होंने एक अनाथ लड़की का किरदार निभाया। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी अपने पैर जमाए। तेलुगु फिल्म 'आयुधम' उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में शामिल है। इसके बाद उन्होंने कन्नड़ और तमिल फिल्मों में भी अभिनय किया। कन्नड़ फिल्म 'मनमथा' में उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई, जिसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने बहुत सराहा। गुरलीन का करियर सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं रहा। उन्होंने अपनी फिटनेस और हेल्थ के प्रति लगाव को बिजनेस में बदल दिया। इसके तहत, उन्होंने लोगों को सही डाइट, योग और व्यायाम के जरिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने डायबिटीज, हार्मोनल अनबैलेंस और थॉयराइड जैसी समस्याओं में प्राकृतिक और हेल्दी उपाय अपनाने की प्रेरणा दी। गुरलीन ने दुनिया भर में लाखों लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में मदद की है। गुरलीन ने अपने करियर में डबल रोल, एक्ट्रेस और फिटनेस कोच, की भूमिका निभाई, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती है।

अरबाज के बाद मलाइका अरोड़ा फिर बसाएंगी घर? बोलीं- प्यार के लिए पूरी तरह से ओपन हूं

अरबाज खान और मलाइका को अलग हुए सालों हो गए हैं। लेकिन मलाइका ने अपने तलाक पर कभी कोई बात नहीं की। अब पहली बार है कि उन्होंने इस पर खुलकर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि प्यार की उनकी जिंदगी में एक अलग अहमियत है. एक्ट्रेस ने तलाक के बाद हुई ट्रोलिंग को लेकर भी रिएक्ट किया है। कुछ समय पहले अरबाज खान की कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी. इनमें एक में वह इस गाने पर भी डांस करते हुए नजर आए थे, वो गाना है था तेरे लिए मैंने पहले वाली छोड़ दी. अब पहली बार मलाइका ने बताया है कि उनका फ्यूचर प्लान क्या है. वह आगे शादी करेंगी या नहीं. वह अब भी प्यार में विश्वास रखती हैं या नहीं।

65 साल की उम्र में 40 का कैसे दिखते हैं नागार्जुन?

बताया अपनी फिटनेस का राज

नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्टर नागार्जुन न केवल अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपनी हेल्दी लाइफ स्टाइल के लिए भी खूब फेमस हैं। 'मास' फिल्म के एक्टर 65 साल की उम्र में भी बेहद फिट हैं और 40 से ज्यादा के नहीं लगते हैं। ऐसे में हर कोई उनकी इस फिटनेस का सीक्रेट जानना चाहता है. फाइनली एक्टर ने खुलासा कर दिया है कि वे 65 की उम्र में 40 के कैसे दिखते हैं। एक रिपोर्ट मुताबिक जब नागार्जुन से पूछा गया कि इतने सालों के बाद भी वे कैसे यंग दिखते, तो अभिनेता ने बड़ी कहा, 'मुझे नहीं पता. मैं सही खाता-पीता हूं। मैं खुद को भूखा नहीं रखता या क्रैश डाइट नहीं करता। 'इसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस के राज का खुलासा करते हुए कहा, 'मैंने पैंतालीस सालों से अपनी मॉर्निंग एक्सरसाइज कभी नहीं छोड़ी है, उस समय से जब जिम नहीं थे, सिवाय इसके कि मैं वास्तव में बीमार हो जाऊं।' उन्होंने आगे कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण बात, मैं पॉजिटिव सोचता हूं। मैं खुद को कभी निराश नहीं होने देता, चाहे स्थिति कैसी भी हो। उनकी पॉजिटिव थिंकिंग का एक उदाहरण तब भी देखने को मिलता है जब उन्होंने 2025 की अपनी जर्नी के बारे में बात करते हुए कहा कि यह 'बेहद सैटिसफाइंग' रही है। आशावाद फैलाते हुए उन्होंने आगे कहा, 'पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों फ्रंट पर, मैं इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं कर सकता था। मेरे छोटे बेटे अखिल की शादी एक प्यारी लड़की से हुई है और वह उसके साथ बहुत खुश है। मेरे बड़े बेटे चैतन्य की शादी 24 दिसंबर को हुई थी और उन्होंने अभी-अभी मैरिड लाइफ का एक साल पूरा किया है। '

काम ही आगे काम दिलाता है, फिल्मी सफर को लेकर

चित्रांगदा सिंह ने दी सलाह

बॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री है, जहां किसी कलाकार की सफलता अक्सर इस बात से मापी जाती है कि उसने कितनी फिल्में की हैं, वह कितनी बार स्क्रीन पर नजर आता है और उसका नाम कितनी बार चर्चा में रहता है। ऐसे माहौल में कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं, जो इस भीड़ से अलग अपनी पहचान बनाते हैं। वे कम काम करते हैं, लेकिन ऐसा काम करते हैं जो लंबे समय तक दर्शकों के दिल और दिमाग में बना रहता है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह उन्हीं चुनिंदा कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने हमेशा संख्या से ज्यादा गुणवत्ता को महत्व दिया है। साल 2025 उनके करियर के लिए खास रहा है, जिसमें उन्होंने 'हाउसफुल 5', 'परिक्रमा' और 'रात अकेली हैः द बंसल मर्डर्स' जैसी अलग-अलग तरह की प्रोजेक्ट्स में काम किया। चित्रांगदा ने कहा भले ही मेरा फिल्मी सफर बहुत लंबा या लगातार नहीं रहा, लेकिन इस बात की खुशी है कि दर्शकों ने मेरे काम को याद रखा है। मेरा मानना है कि किसी किरदार के स्क्रीन टाइम से ज्यादा जरूरी यह होता है कि वह दर्शकों पर कितना असर छोड़ता है।''अपने किरदार चुनने के तरीके पर बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, ''अब धीरे-धीरे इंडस्ट्री में भी यह समझ विकसित हो रही है कि सिर्फ ज्यादा काम करना ही सब कुछ नहीं होता। कभी-कभी एक छोटा सा सीन या सीमित स्क्रीन टाइम वाला किरदार भी दर्शकों के दिल में गहरी जगह बना सकता है। ऐसा कई बार देखा गया है कि एक मजबूत सीन पूरी फिल्म के मुकाबले ज्यादा यादगार बन जाता है।''चित्रांगदा ने कहा, 'मेरा यह भी मानना है कि सिर्फ अच्छा काम करना ही काफी नहीं होता। एक कलाकार के लिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी बनाए रखना भी जरूरी होता है। अच्छा काम और दर्शकों तक पहुंच, इन दोनों के बीच संतुलन होना चाहिए। इसलिए कलाकार को ऐसे रोल मिलने जरूरी होते हैं, जिन्हें लोग याद रखें और जिनसे उनका काम आगे बढ़े। लेकिन, वही काम टिकता है, जिसमें सच्चाई और गहराई हो। 'हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'रात अकेली हैः द बंसल मर्डर्स' में चित्रांगदा का अभिनय चर्चा में रहा। इस फिल्म में उनके किरदार के लिए काफी सराहना मिली।

टीवी के बाद अब ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर मचाएंगी धूम

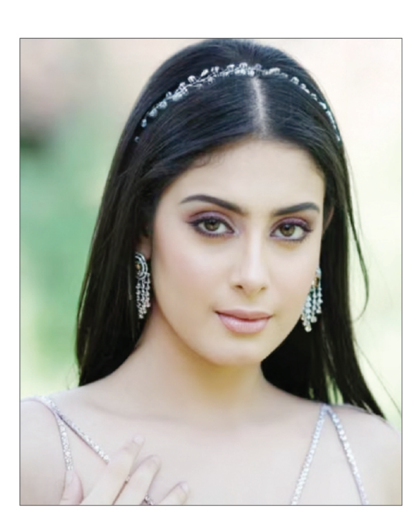

ईशा मालवीय को उनके करियर में सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी रियलिटी शोज की वजह से मिली। अब वो बड़े पर्दे पर कदम रखने के लिए तैयार हैं। बिग बॉस 17 फेम इस हसीना ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर कर पंजाबी सिनेमा में अपनी एंट्री पर मुहर लगा दी है। बता दें ईशा की फिल्म का नाम 'इश्कां दे लेखे' है, जिसमें वो पंजाबी सिंगर और एक्टर गुरनाम भुल्लर के संग रोमांस करती हुई दिखाई देंगी। सोशल मीडिया पर दोनों ने एक पोस्ट शेयर कर कंफर्म किया कि उनकी ये रोमांटिक फिल्म 6 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। 'इश्कां दे लेखे' एक लव स्टोरी है, जिसे मनवीर बराड़ ने निर्देशित किया है और जस्सी लोहका ने लिखा है. रिपोर्ट के अनुसार फिल्म में ईशा और गुरनाम को जसनीत और समर की भूमिका में देखा जाएगा।

(साभार एजेंसी)

दुनिया की नंबर 1 लीग बनने के करीब आईपीएल

1.52 लाख करोड़ हुई वैल्यू, जानिए टॉप 5 नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग वर्ल्ड स्पोर्ट्स बिजनेस में दिग्गज बन चुकी है. हालिया वैल्यूएशन रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईपीएल की कुल ब्रांड वैल्यू अब लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है, जो इसे दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल स्पोर्ट्स लीग बनाती है. यह उपलब्धि मीडिया राइट्स, स्पॉन्सरशिप और फैन बेस की बदौलत हासिल हुई है. इंडियन प्रीमियर लीग वर्ल्ड स्पोर्ट्स बिजनेस में दिग्गज बन चुकी है. हालिया वैल्यूएशन रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईपीएल की कुल ब्रांड वैल्यू अब लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है, जो इसे दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल स्पोर्ट्स लीग बनाती है. यह उपलब्धि मीडिया राइट्स, स्पॉन्सरशिप और फैन बेस की बदौलत हासिल हुई है. दुनिया की वैल्युएबल स्पोर्ट्स लीग के मामले में आईपीएल अब अमेरिकी लीग हृस्नरु के बहुत करीब पहुंच चुकी है और जल्द ही नंबर 1 बनने की राह पर है. अमेरिकी नेशनल फुटबॉल लीग लंबे समय से नंबर 1 पर काबिज है. हृस्नरु की कुल ब्रांड वैल्यू अब लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपए है. दुनिया की वैल्युएबल स्पोर्ट्स लीग के मामले में आईपीएल अब अमेरिकी लीग एनएफएल के बहुत करीब पहुंच चुकी है और जल्द ही नंबर 1 बनने की राह पर है. अमेरिकी नेशनल फुटबॉल लीग लंबे समय से नंबर 1 पर काबिज है.

पेशेवर फुटबॉल में 1000 गोल का आंकड़ा छूना चाहते हैं रोनाल्डो, दृढ़ संकल्प व्यक्त किया

रियाद, एजेंसी। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भरोसा जताया है कि वह अपने करियर में 1000 गोल का आंकड़ा पार करने में सफल होंगे। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेशेवर फुटबॉल में 1000 गोल करने का आंकड़ा छूना चाहते हैं। रोनाल्ड ने इसके लिए दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। पुर्तगाल के इस 40 साल के महान खिलाड़ी को पूरा विश्वास है कि वह इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। उनके नाम शीर्ष स्तर के पेशेवर फुटबॉल में 956 गोल है।

श्रेयस अय्यर की वापसी, पंत और अक्षर पटेल बाहर

● एआई ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे के लिए भारतीय टीम चुनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 2026 की शुरुआत वनडे क्रिकेट से करेगी। न्यूजीलैंड की टीम 3 मैचों की वनडे और 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारत आएगी। वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान नहीं हुआ है। शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम का ऐलान जनवरी के पहले हफ्ते में होने की संभावना है। इससे पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दिलचस्प भारतीय टीम चुनी है। उसने श्रेयस अय्यर को चुना है, लेकिन ऋतुराज गायकवाड़ को भी मौका दिया है। चैटजीपीटी ने 15 खिलाड़ियों में 2 विकेटकीपर केएल राहुल और इशान किशन को चुना है। उसने श्रेयस अय्यर को चुना है, लेकिन ऋतुराज गायकवाड़ को भी मौका दिया है। उसने ऋषभ पंत को टीम से बाहर रखा है। इसके अलावा अक्षर पटेल की वापसी नहीं कराई है। उसने रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव को स्पिनर के तौर पर चुना। उसने चार तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज को भी मौका दिया।

एआई से चुनी गई भारतीय टीम

बल्लेबाज / ऑलराउंडर

- शुभमन गिल (कप्तान) – फिट होकर वापसी के बाद टीम की कप्तानी करेंगे।
- रोहित शर्मा – सीनियर ओपनर।
- विराट कोहली – मिडिल ऑर्डर में अहम खिलाड़ी।
- यशस्वी जायसवाल – संभावित ओपनिंग पार्टनर।
- ऋतुराज गायकवाड़ – फॉर्म में हैं और चुने जाने की संभावना है।
- श्रेयस अय्यर – चोट के बाद वापसी की उम्मीद है।

विकेटकीपर / बल्लेबाज

केएल राहुल (विकेटकीपर) – पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज।
इशान किशन – हालिया फॉर्म के कारण संभावित बैकअप विकेटकीपर।

ऑलराउंडर / स्पिनर

- रविंद्र जडेजा – मुख्य स्पिन ऑलराउंडर।
- वाशिंगटन सुंदर – स्पिन सपोर्ट / ऑलराउंड विकल्प।
- कुलदीप यादव – मुख्य स्पिनर।

तेज गेंदबाज

- अर्शदीप सिंह – संभावित मुख्य तेज गेंदबाज।
- हर्षित राणा – उभरते हुए तेज गेंदबाज, चुने जाने की संभावना है।
- मोहम्मद सिराज – तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए मजबूत दावेदार।
- प्रसिद्ध कृष्णा – तेज गेंदबाजी को सपोर्ट करने के लिए संभावित खिलाड़ी।

ये जानकारी भी दी

टी20 सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप से पहले वर्कलोड मैनेज करने के लिए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को वनडे मैचों में आराम दिया जा सकता है। ऋषभ पंत की जगह खतरे में है। अभी इशान किशन के चुने जाने की संभावना ज्यादा है। अगर श्रेयस अय्यर फिट रहे तो वापसी करेंगे और मिडिल ऑर्डर को मजबूत करेंगे।

एसए-20

गांगुली की कोचिंग वाली प्रिटोरिया कैपिटल्स की लगातार दूसरी हार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने साउथ अफ्रीका टी20 लीग 2025-26 से कोच के रूप में अपने करियर का आगाज किया है। लीग में वह प्रिटोरिया कैपिटल्स के मुख्य कोच हैं। गांगुली की बतौर हेड कोच पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। उनकी टीम प्रिटोरिया को लगातार दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा है। प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स इस्टर्न कैप के बीच सोमवार को ग्केबेरहा में मुकाबला खेला गया। सनराइजर्स इस्टर्न कैप ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने क्विंटन डि कॉक और मैथ्यू ब्रिट्ज्के की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 6 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। पारी की शुरुआत करने डि कॉक ने 47 गेंद पर 6 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 77 रन बनाए। मैथ्यू ब्रिट्ज्के तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे। उन्होंने 33 गेंद पर 1 छक्का और 7 चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली। डि कॉक और ब्रिट्ज्के के बीच दूसरे विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई। इसी साझेदारी की बदौलत टीम 188 तक पहुंच पाई। जॉर्डन हरमन ने भी 20 गेंद पर 1 छक्का और 5 चौकों की मदद से 37 रन बनाए।
प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए टाइमल मिल्स ने 2, और लुंगी एंगिडी, विहान लुबे, और ब्रायस पार्सस ने 1-1 विकेट लिए। 189 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रिटोरिया को पहला झटका ब्रायस पार्सस के रूप में 3 के स्कोर पर लगा। वह 1 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विल स्मीड और शाई होप ने दूसरे विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद कोई बल्लेबाज क्रीज पर टिक नहीं सका। पूरी टीम 18 ओवर में 140 रन पर सिमट गई और 48 रन से मैच हार गई।
विल स्मीड ने 27 गेंद पर 35 और होप ने 19 गेंद पर 36 रन बनाए। 7 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं जा सके। सनराइजर्स के लिए एडम मिल्ने ने 4, थारिंदु रथ्नायके ने 2, जबकि मार्को जानसेन, सेनुरन मुथुसामी और लेविस ग्रेगोरी ने 1-1 विकेट लिए।

'कोई शर्म नहीं, कोई सफाई नहीं...'

देह से दाम कमाया

फिर ओलंपिक में मेडल झटका, अब इस 'सच' से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में पोल वॉल्ट के आसमान को चीरती एलिशा न्यूमैन सिर्फ एक एथलीट नहीं थीं- वो एक घोषणा थीं. एक चुनौती. एक ऐसा सवाल, जिसने खेल की 'सभ्यता' और 'संस्कार' दोनों को कठघरे में खड़ा कर दिया. कनाडा को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली एलिशा न्यूमैन ने बाद में जो सच बताया, उन्होंने खेल जगत में भूकंप ला दिया- ओलंपिक तक पहुंचने का रास्ता ओनली फैंस से होकर गया था. हां, वही ओनली फैंस, जिसे लेकर फुसफुसाहटें होती हैं, भौंहें तनती हैं. एलिशा ने बिना झिझक कहती हैं ,'ओनली फैंस से जो पैसा आया, उसने मेरी ट्रेनिंग को सांस दी. वो किसी टॉप स्पॉन्सर से कम नहीं था- बल्कि ज्यादा ईमानदार था.' महज 21 हजार डॉलर (करीब 18 लाख रु.) एक ओलंपिक एथलीट के सपनों के लिए ये रकम मजाक जैसी है. ट्रैवल, कोच, इक्विपमेंट, रिकवरी- सब महंगा. ऐसे में एलिशा ने वही किया, जो बहुतों के लिए अस्वीकार्य था, लेकिन उनके लिए जरूरी. उन्होंने अपनी खूबसूरती को छुपाया नहीं- बेचा नहीं, बल्कि ब्रांड बनाया.

खेल जगत में महिलाओं को अक्सर दो खांचों में बांटा जाता है- या तो 'सीरियस एथलीट' बनो, या 'ग्लैमरस चेहरा'. एलिशा ने दोनों को एक साथ जीने का ऐलान कर दिया- वह कहती हैं- 'मैंने तय किया कि मैं किसी एक पहचान में कैद नहीं रहूंगी....मेरी बॉडी मेरी है.. मेरी छवि मेरी है और कमाई भी मेरी होगी.' एलिशा न्यूमैन सिर्फ मेडल जीतने वाली खिलाड़ी नहीं रहीं, वो उस सिस्टम की पोल खोलने वाली आवाज बन गईं, जो खिलाड़ियों से देशभक्ति तो चाहता है,

एलिशा न्यूमैन की कमाई

एलिशा न्यूमैन 2021 में इस प्लेटफॉर्म से जुड़ीं और करीब 9 प्रति माह (लगभग 1,000 रु) वाले सब्सक्रिप्शन से होने वाली कमाई से उन्होंने पेरिस ओलंपिक की तैयारी का एक हिस्सा खुद फंड किया. न्यूमैन के पेज पर शुरुआत में थोड़ी सनसनीखेज तस्वीरें मुफ्त में दिखाई जाती थीं, जो बाद में निजी संदेशों के जरिए और अधिक स्पष्ट कंटेंट के लिए 50 (करीब 6,000 रु.) या उससे ज्यादा में उपलब्ध कराए जाते थे. 2024 की गर्मियों तक इस काम से उन्होंने 1,70,000 (करीब 2 करोड़ रु.) से अधिक की कमाई की थी.
एक पेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जहां क्रिएटर अपने कंटेंट के बदले सीधे फॉलोअर्स से पैसे लेते हैं. यह इंस्टाग्राम या यूट्यूब जैसा ही है, फर्क सिर्फ इतना है कि यहां कंटेंट देखने के लिए सब्सक्रिप्शन देना होता है और कमाई का 80 फीसदी हिस्सा क्रिएटर को मिलता है. हालांकि इसकी पहचान एडल्ट कंटेंट से बनी है, लेकिन ओनली फैंस पर फिटनेस, कुकिंग, म्यूजिक, एजुकेशन और स्पोर्ट्स से जुड़ा प्रोफेशनल कंटेंट भी मौजूद है.

डब्ल्यूपीएल 2026

मुंबई इंडियंस से जुड़ी ऑस्ट्रेलिया की क्रिस्टन बीम्स, फ्रेंचाइजी ने दी खास जिम्मेदारी

मुंबई, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग की डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को अपना स्पिन बॉलिंग कोच बनाया है। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी घोषणा की। इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में क्रिस्टन ने कहा, 'मैं यहां पहली बार कोच के तौर पर आई हूं। झूलन गोस्वामी जैसी महान खिलाडियों में से एक और जिनके खिलाफ मैंने क्रिकेट खेला है,

यह उनके साथ काम करने का एक शानदार मौका है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा, 'यह अविश्वसनीय है कि उन्होंने बहुत लंबे समय में जीतने की लय बनाई है। आप सभी को इसी बारे में बात करते हुए सुनते हैं कि यह ग्रुप के खिलाड़ी एक-दूसरे से जुड़े हैं। यह एक परिवार है। आप इसी परिवार का हिस्सा बनना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक कोच के तौर पर, आप यही करना चाहते हैं। एक ऐसे माहौल में जाना है जो वाकई बहुत मजबूत लगे। एक ऐसी टीम से जुड़ना, जो जीतना जानती हो।'

मुंबई इंडियंस की हेड कोच लिसा केइटली, बॉलिंग कोच और मेंटर झूलन गोस्वामी, बैटिंग कोच देवीका पलशिकार और फील्डिंग कोच निकोल बोल्टन हैं। क्रिस्टन बीम्स ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 30 वनडे मुकाबलों में 22.45 की औसत के साथ 42 विकेट हासिल कर चुकी हैं। वहीं, 18 टी20 मुकाबलों में उन्होंने 20 विकेट अपने नाम किए हैं। बीम्स ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 1 टेस्ट मैच भी खेल चुकी हैं। क्रिस्टन बीम्स ने अपने करियर में विमेंस बिग बैश लीग के 45 मैच खेले, जिसमें 24.08 की औसत के साथ 37 विकेट निकाले। क्रिस्टन बीम्स विमेंस बिग बैश लीग में कोचिंग दे चुकी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया महिला अंडर 19 टीम की हेड कोच के तौर पर काम किया है।

चार पहिया वर्ग में इकलौते भारतीय टकाले कार रैली में पेश करेंगे चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। कार रैली ड्राइवर संजय टकाले लगातार दूसरी बार डकार रैली में चार पहिया वाहन वर्ग के 'क्लासिक श्रेणी (विंटेज कार रैली प्रतियोगिता)' में चुनौती पेश करने को तैयार है। वह इस वाहन वर्ग में इकलौते भारतीय रैली ड्राइवर होंगे। डकार रैली का आयोजन तीन से 17 जनवरी तक सऊदी अरब में होगा। टकाले डकार रैली के पिछले आयोजन में कुल 18वें और अपनी श्रेणी में 10वें पायदान पर रहे थे। फ्रांस के नेविगेटर मैक्सिम राउद के साथ 57 साल के ताकले टीम एयरोस्पेस रेसर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्हें फ्रांस की कंपनी सहारियन से तकनीकी और लॉजिस्टिक्स सहायता मिलेगी। ताकले के तीन दशक लंबे करियर में एशिया-पैसिफिक प्रोडक्शन कप का खिताब जीतने के साथ विश्व रैली की चुनिंदा चैम्पियनशिप प्रतियोगिताओं में भाग लेना शामिल है। उन्होंने 2025 डकार क्लासिक को पूरा करने को अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। टकाले ने कहा, 'मेरा लक्ष्य इस प्रतियोगिता को दोबारा पूरा करने के साथ निरंतरता और अनुशासन के साथ पिछले वर्ष के परिणाम से बेहतर करना है। डकार सिर्फ रैली रेस प्रतियोगिता नहीं है,

शान मसूद ने सहवाग का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

पाकिस्तान में सबसे तेज फर्स्ट-क्लास दोहरा शतक बनाया, 177 गेंदों में डबल सेंचुरी

कराची(एजेंसी)। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद ने घरेलू क्रिकेट में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने पाकिस्तान की धरती पर फर्स्ट-क्लास क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ते हुए भारत के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

यह उपलब्धि शान मसूद ने को कराची में खेले जा रहे प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-आई 2025/26 के मुकाबले में हासिल की। यह मैच सुई नॉर्दर्न गैस पाइपलाइंस लिमिटेड और साहिर एसोसिएट्स के बीच खेला जा रहा है, जिसमें मसूद एसएनजीपीएल की ओर से मैदान में उतरे।

मसूद ने सिर्फ 177 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। इससे पहले वीरेंद्र सहवाग ने 2006 में लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ 182 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था।वीरेंद्र सहवाग ने साल 2006 में पाकिस्तान दौरे पर लाहौर में खेले गए पहले टेस्ट में नाबाद 247 रन की पारी खेली थी।

इंजमाम-उल-हक का रिकॉर्ड भी टूटा - शान मसूद ने पाकिस्तान के सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंजमाम-उल-हक के नाम था, जिन्होंने 1992 में 188 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था।इंजमाम-उल-हक ने 1992 में 188 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था।

390 रन की साझेदारी - मैच के पहले दिन एसएनजीपीएल को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा गया। टीम का पहला विकेट अजान अवैस के रूप में 53 रन पर गिरा। इसके बाद शान मसूद और अली जरयाब ने दूसरे विकेट के लिए 390 रन की बड़ी साझेदारी की। यह साझेदारी पाकिस्तान में किसी भी विकेट के लिए नौवीं सबसे बड़ी साझेदारी रही।

अली जरयाब ने 237 गेंदों पर 192 रन बनाए, जबकि शान मसूद दिन का खेल खत्म होने तक 185 गेंदों पर 212 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी स्ट्राइक रेट 114 से अधिक रही। पहले दिन के अंत तक एसएलजीपीएल ने 82.1 ओवर में 2 विकेट पर 460 रन बना लिए।

इस साल का दूसरा दोहरा शतक - यह शान मसूद का 2025 में दूसरा फर्स्ट-क्लास दोहरा शतक है। इससे पहले उन्होंने कराची ब्लूज़ की ओर से एबटाबाद के खिलाफ 250 रन बनाए थे। उनके करियर में अब कुल पांच फर्स्ट-क्लास दोहरे शतक हो चुके हैं।

मुंबई ने क्रिस्टन बीम्स को कोचिंग स्टाफ में शामिल किया

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर को स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी दी

मुंबई (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग 2026 के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। 41 साल की बीम्स ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुकी हैं। क्रिस्टन बीम्स इससे पहले विमेंस बिग बैश लीग ,द हंड्रेड और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 महिला टीम में कोचिंग की भूमिका निभा चुकी हैं। बतौर खिलाड़ी उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 1 टेस्ट, 30 वनडे और 18 टी-20 मैच खेले थे। मुंबई इंडियंस के कोचिंग स्टाफ में अब हेड कोच लिसा कीटली (मुंबई के साथ उनका पहला सीजन, इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की कोच), बॉलिंग कोच और मेंटर झूलन गोस्वामी, बैटिंग कोच देविका पलशिकर और फील्डिंग कोच निकोल बोल्टन के साथ क्रिस्टन बीम्स भी शामिल हो गई हैं।

बीम्स बोलीं-झूलन गोस्वामी के साथ काम करना गर्व की बात - मुंबई के इंस्टाग्राम पोस्ट में क्रिस्टन बीम्स ने कहा, 'यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है। झूलन गोस्वामी जैसी दिग्गज खिलाड़ी के साथ काम करना बेहद खास है। मैंने उनके खिलाफ खेला है और अब उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। मुंबई इंडियंस ने एक मजबूत जीतने वाली संस्कृति बनाई है और यह टीम एक परिवार की तरह है।'

मुंबई के दो डब्ल्यूपीएल खिताब - मुंबई इंडियंस ने अब तक हुए तीन डब्ल्यूपीएल सीजन में से दो में खिताब जीता है। डब्ल्यूपीएल 2026 की शुरुआत 9 जनवरी से होगी, जिसमें मुंबई का पहला मुकाबला 2024 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। यह 28 दिन का टूर्नामेंट नवी मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा।

2025: भारत की ऐतिहासिक छलांग
-जापान को पीछे छोड़ बना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। साल 2025 भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है। इस साल भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया। तेज़ आर्थिक वृद्धि, रिकॉर्ड कम महंगाई, घटती बेरोजगारी और निर्यात में मजबूती— इन सभी संकेतों ने मिलकर भारत को एक मजबूत "गोल्डिलॉक्स पीरियड" में पहुंचा दिया है, जहां ग्रोथ ऊंची है और महंगाई बेहद काबू में।

जापान को पीछे छोड़ बना चौथी अर्थव्यवस्था-

भारत की जीडीपी का कुल मूल्यांकन अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर (करीब ₹350 लाख करोड़) तक पहुंच गया है। इसके साथ ही भारत ने जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान हासिल कर लिया। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 2.5 से 3 साल में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ सकता है। अनुमान है कि साल 2030 तक भारत 7.3 ट्रिलियन डॉलर (करीब ₹655 लाख करोड़) की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन सकता है। तेज़ी से बढ़ती ग्रोथ को देखते हुए RBI ने पूरे साल के लिए विकास दर का अनुमान 6.8% से बढ़ाकर 7.3% कर दिया है। दूसरी तिमाही (Q2) में जीडीपी ग्रोथ 8.2% रही, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक मजबूती को दिखाती है।

महंगाई में ऐतिहासिक गिरावट-

साल 2025 की सबसे बड़ी राहत आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर मिली। साल की शुरुआत में खुदरा महंगाई दर (CPI) 4.26% थी, जो नवंबर तक गिरकर सिर्फ 0.71% पर आ गई। खाने-पीने की चीज़ों की कीमतों में कमी इसका मुख्य कारण रही। महंगाई के काबू में आने से RBI ने ब्याज दरों में 0.25% की कटौती की और रेपो रेट अब 5.25% पर आ गया है। इससे होम लोन, कार लोन और बिजनेस लोन सस्ते होने की उम्मीद है, जिसका सीधा फायदा आम लोगों और कारोबारियों को मिलेगा।

बेरोजगारी में कमी, महिलाओं को ज्यादा अवसर-

रोज़गार के मोर्चे पर भी 2025 सकारात्मक रहा। PLFS (Periodic Labour Force Survey) के मुताबिक, नवंबर में देश की कुल बेरोजगारी दर 4.7% रही, जो अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है। अक्टूबर में यह दर 5.2% थी। ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी घटकर 3.9% रह गई। शहरी महिलाओं में बेरोजगारी 9.7% से घटकर 9.3% हुई। ग्रामीण महिलाओं के लिए हालात और बेहतर रहे, जहां यह दर 4.0% से गिरकर 3.4% पर आ गई। यह आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला रोजगार दोनों में सुधार हो रहा है, जो समावेशी विकास की ओर इशारा करता है।

ग्लोबल दबावों के बावजूद एक्सपोर्ट में उछाल-

डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ नीतियों और वैश्विक तनावों के बावजूद भारत का एक्सपोर्ट मजबूत बना हुआ है। नवंबर 2025 में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 38.13 बिलियन डॉलर रहा, जो साल की शुरुआत में 36.43 बिलियन डॉलर था। सबसे ज्यादा बढ़त इन सेक्टर्स में दिखी: काजू: 64%, मरीन प्रोडक्ट्स: 62%, इंजीनियरिंग गुड्स: 17%, सर्विस एक्सपोर्ट भी 8.65% बढ़कर 270 बिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है। इसके अलावा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 686.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है, जो करीब 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त है।

ग्लोबल एजेंसियों का भरोसा-

दुनिया की प्रमुख रेटिंग एजेंसियों ने भारत की ग्रोथ को लेकर भरोसा जताया है। Fitch: FY26 के लिए 7.4% ग्रोथ, ADB: 2025 के लिए 7.2%, IMF: 6.6%, Moody's: भारत को G20 में सबसे तेज़ बढ़ती अर्थव्यवस्था बताया

2047 का लक्ष्य: उच्च मध्यम-आय वाला भारत-

सरकार का कहना है कि भारत 2047 तक उच्च मध्यम-आय वाला देश बनने की राह पर है। इसके लिए आर्थिक वृद्धि, संरचनात्मक सुधार और सामाजिक प्रगति को आधार बनाया जा रहा है।

इंडिगो पर ₹458 करोड़ का GST जुर्माना, टैक्स आदेश को कोर्ट में चुनौती देगी एयरलाइन

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो एक बार फिर टैक्स विवादों को लेकर सुर्खियों में है। दिल्ली साउथ कमिश्नरेट के केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) विभाग के अतिरिक्त आयुक्त ने इंडिगो पर ₹458 करोड़ से ज्यादा का GST जुर्माना लगाया है। यह आदेश CGST अधिनियम, 2017 की धारा 74 के तहत जारी किया गया है और इसका संबंध वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 की असेसमेंट से बताया गया है। कंपनी के मुताबिक, कुल GST मांग ₹458,26,16,980 है। इसमें टैक्स, ब्याज और जुर्माना शामिल है। GST विभाग ने इंडिगो पर आरोप लगाया है कि उसने विदेशी सप्लायर से मिली क्षतिपूर्ति (कंपनसेशन) पर GST का सही तरीके से भुगतान नहीं किया। इसके अलावा, विभाग ने कंपनी द्वारा लिए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) को भी खारिज कर दिया है, जिससे टैक्स देनदारी और बढ़ गई। इंडिगो ने इस आदेश को सिरे से गलत बताया है। कंपनी का कहना है कि उसने बाहरी टैक्स सलाहकारों से राय लेने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि GST विभाग का यह आदेश कानून और तथ्यों के खिलाफ है। एयरलाइन ने साफ किया है कि वह इस जुर्माने को स्वीकार नहीं करेगी और इसे उचित कानूनी मंच पर चुनौती देगी। इंडिगो का यह भी दावा है कि इस GST मांग का उसके वित्तीय नतीजों, रोजमर्रा के संचालन या भविष्य की योजनाओं पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब इंडिगो टैक्स विभाग की कार्रवाई का सामना कर रही है। इससे पहले 30 मार्च को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कंपनी पर ₹944.20 करोड़ की पेनाल्टी लगाई थी। यह जुर्माना असेसमेंट ईयर 2021-22 के लिए इनकम टैक्स एक्ट की धारा 270A के तहत लगाया गया था। इंडिगो ने उस आदेश को भी "गलत और निराधार" करार दिया था। कंपनी के अनुसार, इनकम टैक्स की यह पेनाल्टी असेसमेंट यूनिट द्वारा लगाई गई थी। इसके अलावा, चेन्नई के संयुक्त आयुक्त द्वारा ₹2.84 करोड़ का अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया गया था। यह पूरा मामला 2018 से 2020 के बीच के फाइनेंशियल रिकॉर्ड में बताई गई विसंगतियों से जुड़ा है, जिनके आधार पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) को नामंजूर किया गया। लगातार सामने आ रहे इन टैक्स विवादों से यह साफ है कि इंडिगो और टैक्स विभाग के बीच कानूनी लड़ाई लंबी चल सकती है। हालांकि, कंपनी का रुख स्पष्ट है कि वह अपने पक्ष को मजबूत मानती है और न्यायिक प्रक्रिया के जरिए राहत पाने की कोशिश करेगी। अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि अदालतें इन मामलों में क्या रुख अपनाती हैं और क्या इंडिगो को इन भारी-भरकम टैक्स मांगों से राहत मिल पाती है या नहीं।

उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी और बर्फबारी का कहर
-दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानें प्रभावित

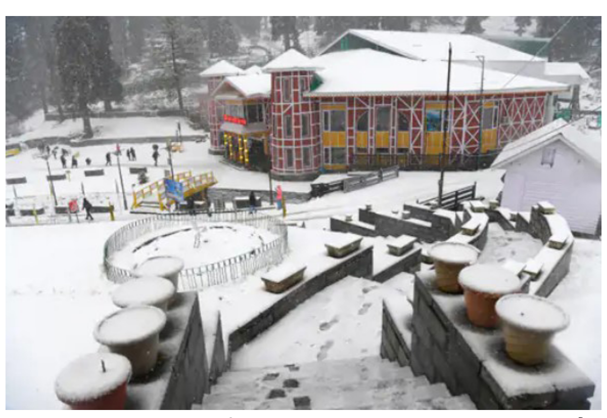

जम्मू। उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्वी भारत तक कड़ाके की सर्दी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। पहाड़ी राज्यों में हो रही भारी बर्फबारी का सीधा प्रभाव मैदानी इलाकों के तापमान और जनजीवन पर साफ दिखाई दे रहा है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है, वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शीत लहर और पाला लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में तेज बर्फबारी दर्ज की गई है। सोनमर्ग टनल के पास भारी हिमपात हुआ, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान लगातार गिर रहा है। बर्फबारी के कारण कई मार्गों पर फिसलन बढ़ गई है और प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में 30 दिसंबर की शाम से लगातार बर्फ गिर रही है। मौसम विभाग के अनुसार यहां तापमान माइनस 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। बर्फबारी के चलते जनजीवन ठप सा हो गया है और कई गांवों का संपर्क टूटने की आशंका है। पहाड़ी इलाकों से आ रही ठंडी हवाओं का असर अब मध्य प्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। राज्य के शहडोल जिले के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान माना जा रहा है। कड़ाके की ठंड के कारण लोग अलाव का सहारा लेने को मजबूर हैं और सुबह-शाम सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। छत्तीसगढ़ में भी ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मैनपाट में रात का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। अंबिकापुर और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जैसे इलाकों में ओस जमने लगी है, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। राज्य के चार संभाग शीत लहर की चपेट में हैं और मौसम विभाग ने आगे भी ठंड बने रहने की चेतावनी दी है। राजस्थान में भी कड़ाके की सर्दी के बीच अगले दो दिनों तक बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे ठंड और बढ़ सकती है। वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में बुधवार सुबह घनी धुंध छाई रही। कई इलाकों में दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे सड़क और हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण 148 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि करीब 150 फ्लाइट्स देरी से संचालित हो रही हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें बताया गया है कि CAT-III प्रणाली लागू की गई है, ताकि कम दृश्यता में भी विमानों का संचालन संभव हो सके। इसके बावजूद उड़ानों में देरी और रद्द होने की स्थिति बनी रह सकती है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति जरूर जांच लें।

अब चीन का दावा- हमने भारत-पाक संघर्ष रुकवाया:
-कई लड़ाइयां सुलझाने में मदद की

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बाद अब चीन ने भी यह दावा किया है कि उसने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव को कम करने में भूमिका निभाई थी। चीन के अनुसार, जब इस साल दोनों देशों के बीच हालात बिगड़ गए थे, तब उसने मध्यस्थता कर तनाव कम करने की कोशिश की। मंगलवार को बीजिंग में आयोजित एक कार्यक्रम में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन दुनिया के कई संघर्षों को सुलझाने में मदद करता रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव के दौरान भी चीन ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। उनके इस बयान को चीन के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर साझा किया। हालांकि, भारत ने चीन के इस दावे को पूरी तरह खारिज किया है। भारत का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोकने में किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी। भारत ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच सीमाओं पर तनाव का समाधान उनके आपसी प्रयासों और सीजफायर समझौतों के तहत ही हुआ। चीन का यह बयान उस समय के घटनाक्रम की याद दिलाता है, जब इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ था। उस समय भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इस हमले में कुल 11 एयरबेस को नुकसान पहुंचा था। भारत ने यह सैन्य कार्रवाई 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की थी। उस हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का यह बयान अपनी वैश्विक छवि को मजबूत करने और मध्यस्थता में सक्रिय देश के रूप में दिखाने की कोशिश हो सकती है। वहीं भारत की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय दावों के आधार पर अपने संप्रभु निर्णयों में किसी तीसरे पक्ष को शामिल नहीं होने देता।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का फाइनल ट्रायल
-180 किमी/घंटा की रफ्तार में ग्लास का पानी भी नहीं छलका

कोटा। भारतीय रेलवे ने अपनी नई पीढ़ी की स्वदेशी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन (वर्जन-2) का फाइनल हाई स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। मंगलवार को पश्चिम-मध्य रेलवे के कोटा मंडल में आयोजित इस ट्रायल में ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ लगाई और तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण सभी परीक्षणों को पार किया। ट्रायल का उद्देश्य नई जनरेशन ट्रेन की गति, स्थिरता, सुरक्षा और सवारी अनुभव की गुणवत्ता का परीक्षण करना था। ट्रेन के लोको पायलट ने चार ग्लास पानी रखे थे और इतनी तेज रफ्तार के बावजूद पानी में एक भी छींटा नहीं आया। यह तथ्य बताता है कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के कोच में कंपन को नियंत्रित करने वाली अत्याधुनिक तकनीक का सफलतापूर्वक परीक्षण हो गया है। इस ट्रायल में 16 कोच वाली ट्रेन को कोटा से नागदा तक करीब 225 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए रवाना किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि ट्रायल के दौरान ट्रेन की स्थिरता, दोलन, कंपन, आपातकालीन ब्रेक प्रणाली, संरक्षा प्रणाली और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच की गई। विशेष रूप से उच्च गति पर ट्रेन की ब्रेकिंग क्षमता और राइड क्वालिटी का परीक्षण महत्वपूर्ण था। कोटा से नागदा तक के ट्रैक पर ट्रेन ने लगातार उच्च गति बनाए रखी और सभी तकनीकी मानकों पर खरा उतरी। लोको पायलट और तकनीकी टीम ने हर कोच की प्रतिक्रिया, रैक की स्थिरता और यात्रियों की सुविधा के लिहाज से ट्रेन के प्रदर्शन का निरीक्षण किया। ट्रायल के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि उच्च गति के बावजूद यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिले। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की डिजाइन पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है। इसमें उच्च गति के दौरान कंपन को कम करने वाले आधुनिक सस्पेंशन सिस्टम, आपातकालीन ब्रेकिंग सिस्टम, डिजिटल कंट्रोल और सुरक्षा उपाय शामिल हैं। ट्रेन के सभी 16 कोचों में यात्रियों की सुविधा और आराम को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सीटिंग, रोशनी और वातानुकूलन प्रणाली का भी परीक्षण किया गया। रेल मंत्रालय ने इस ट्रायल को रेलवे की नई उपलब्धि के रूप में बताया है। ट्रायल की सफलता के बाद अब वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को यात्रियों के सफर के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। यह ट्रेन न केवल तेज गति से यात्रा करेगी बल्कि यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित सफर का अनुभव भी देगी। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि हाई स्पीड ट्रायल के दौरान ट्रेन ने बिना किसी तकनीकी खराबी के पूरे मार्ग को पार किया। ट्रेन की राइड क्वालिटी, संरक्षा प्रणाली और ब्रेकिंग क्षमता सभी मानकों पर पूरी तरह खरा उतरी। यह ट्रायल भारतीय रेलवे के लिए तकनीकी दृष्टि से एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इस नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के आने से लंबे दूरी की यात्रा तेज, आरामदायक और सुरक्षित बनेगी। यात्रियों को अब अधिक समय की बचत होगी और यात्रा का अनुभव और बेहतर होगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि आने वाले महीनों में इसे नियमित सेवा में शामिल कर दिया जाएगा।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया का अंतिम संस्कार आज ढाका में, जयशंकर देंगे श्रद्धांजलि

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) की प्रमुख खालिदा जिया का अंतिम संस्कार आज ढाका में किया जाएगा। खालिदा जिया का निधन मंगलवार को 80 साल की उम्र में हुआ। वे पिछले लगभग 20 दिनों से वेंटिलेटर पर थीं और गंभीर बीमारी के कारण उनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा था। उनके निधन के बाद बांग्लादेश सरकार ने तीन दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। इस अवधि में सभी सरकारी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सभी सरकारी कार्यक्रम स्थगित रहेंगे। खालिदा जिया को उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के पास संसद परिसर में दफनाया जाएगा। उनके निधन पर राजनीतिक जगत, समर्थक और आम जनता में गहरा शोक और संवेदना व्यक्त की जा रही है। खालिदा जिया की राजनीतिक जीवन में लंबी और विवादित भूमिका रही। उन्होंने बांग्लादेश की राजनीति में कई महत्वपूर्ण मोड़ देखे और कई बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में राजनीतिक नेता, समर्थक और आम लोग शामिल होने की संभावना है। इस मौके पर भारत की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी शामिल होंगे। वे भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए ढाका पहुंचेंगे और खालिदा जिया को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। भारतीय विदेश मंत्री का यह कदम दोनों देशों के बीच मित्रता और सम्मान के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। खालिदा जिया का निधन न केवल बांग्लादेश बल्कि दक्षिण एशिया की राजनीति के लिए भी एक महत्वपूर्ण क्षण है।

UAE यमन से सेना वापस बुलाएगा, आतंकवाद विरोधी अभियान समाप्त

अबू धाबी (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने यमन से अपनी सेना वापस बुलाने का अहम निर्णय लिया है। UAE ने स्पष्ट किया है कि वह यमन में चल रहे अपने आतंकवाद विरोधी अभियान को पूरी तरह समाप्त कर रहा है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब सऊदी अरब ने UAE पर यमन में सक्रिय अलगाववादी समूह सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (STC) का समर्थन करने का आरोप लगाया था। यमन की अंतरराष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त सरकार ने UAE से तत्काल अपनी सेना यमन से हटाने की मांग की थी, जिसे सऊदी अरब ने भी समर्थन दिया। इस दबाव के चलते UAE ने यमन से अपने सैनिकों को 24 घंटे के भीतर वापस बुलाने की घोषणा कर दी। UAE की यह घोषणा यमन में बदलते राजनीतिक और सैन्य समीकरणों का संकेत भी है। हाल ही में सऊदी अरब की अगुवाई वाले गठबंधन ने यमन के मुकल्ला पोर्ट पर हवाई हमला किया था। सऊदी अधिकारियों का दावा था कि उस पोर्ट पर पहुंचाए गए जहाज में UAE से हथियार भेजे गए थे। उनका आरोप था कि ये हथियार दक्षिणी यमन में सक्रिय STC को दिए जा रहे थे। STC पहले यमन की सरकार के साथ मिलकर हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा था, लेकिन इस महीने उसने सऊदी समर्थित सरकारी सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। STC का लक्ष्य यमन के दक्षिणी हिस्से को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित करना है। इस कदम ने यमन में पहले से ही जटिल और संवेदनशील सुरक्षा स्थिति को और भयानक बना दिया है।

चमोली THDC सुरंग हादसा: दो लोको ट्रेनें टकराईं, 100 से ज्यादा घायल

चमोली। चमोली जिले के पीपलकोटी क्षेत्र में स्थित THDC विद्त परियोजना के तहत बने सुरंग में मंगलवार रात करीब 9 बजे दो लोको ट्रेनें आपस में टकरा गईं। इस दुर्घटना में 100 से ज्यादा मजदूर और कर्मचारी घायल हुए हैं, जिनमें से 5 की हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा उस समय हुआ जब परियोजना के कर्मचारियों और मजदूरों की शिफ्ट पूरी होकर वे वापसी में थे। दुर्घटना के समय ट्राली में कुल 110 इंजीनियर, कर्मचारी और मजदूर सवार थे। इनमें से 70 घायलों को जिला अस्पताल गोपेश्वर और 17 घायलों को विवेकानंद अस्पताल पीपलकोटी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद 66 घायलों को छुट्टी दे दी गई है। पीपलकोटी के विवेकानंद चिकित्सालय में 18 श्रमिकों का इलाज कर उन्हें घर भेज दिया गया, जबकि चार गंभीर रूप से घायल श्रमिक जिला अस्पताल में भर्ती हैं। दुर्घटना स्थल पर 21 श्रमिक सुरक्षित थे और उन्हें किसी भी प्रकार की चोट नहीं आई, इसलिए वे सीधे घर लौट गए। घायकों में अधिकांश मजदूर बिहार, झारखंड और ओडिशा के रहने वाले हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद परियोजना के अन्य कर्मचारियों ने मिलकर घायलों को सुरंग से बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इस घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी चमोली से फोन पर संपर्क किया और पूरी स्थिति के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और कहा कि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उच्च चिकित्सालयों में रेफर किया जाए। घटना स्थल पर पहुंचे जिला magistrate (डीएम) सौरभ कुमार ने बताया कि यह हादसा शिफ्ट चेंज के दौरान हुआ। गंभीर रूप से घायल लोगों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर आया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दुर्घटना का भारतीय रेलवे से कोई संबंध नहीं है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना के समय एक ट्राली सुरंग के भीतर सामान लेकर जा रही थी, तभी उसके ब्रेक फेल हो गए। परिणामस्वरूप वह दूसरी ट्राली से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ट्रालियां पलट गईं और सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सुरंग के अंदर कार्यरत कर्मचारियों और मजदूरों की सुरक्षा को लेकर पहले भी चेतावनी दी गई थी, लेकिन इस हादसे ने फिर से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि परियोजना क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से ब्रेक फेल जैसे तकनीकी खराबियों के लिए नियमित निरीक्षण और सुरक्षा मानक जरूरी हैं। THDC अधिकारियों ने भी हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी घायलों को प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई जा रही है और गंभीर मामलों के लिए विशेष उपचार की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि हादसे की जांच के लिए एक टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही दुर्घटना के कारणों का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा। घटना ने न केवल पीपलकोटी क्षेत्र में बल्कि पूरे चमोली जिले में चिंता और सहानुभूति पैदा कर दी है। स्थानीय प्रशासन और परियोजना प्रबंधन की ओर से घायलों के लिए तत्काल राहत और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सुरंग में हुई यह दुर्घटना यह भी याद दिलाती है कि जल विद्त परियोजनाओं में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। भारी मशीनरी और सुरंग जैसे जोखिम भरे क्षेत्रों में नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण, निरीक्षण और तकनीकी जांच अनिवार्य होनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886